ममी का कहर

NAG RAJ
ACTION YEAR

अनुपम
VINOD

सुपर कमांडो ध्रुव

इस दुनिया की कुछ जगहों का नाम, उनकी ऐसी कलाओं के कारण जाना जाता है, जिनको दुनिया ने सराहा। ऐसी ही एक कला है 'शव संरक्षण की कला' जिसने मिस्त्र देश और उसके पिरामिडों के नाम को प्रसिद्ध कर दिया। लेकिन समय बीतने के साथ-साथ यह स्पष्ट होता गया कि 'शव संरक्षण' यानी ममी बनाने की कला सिर्फ मिस्त्र तक ही सीमित नहीं थी! कुछ दिनों पहले मैक्सिको देश में भी ऐसी ममियों का पता चला है, जिनको एक खास मिट्टी में लपेटकर रखा गया था! और मिस्त्र की ममियों के विपरीत मैक्सिको की ममियों के आंतरिक अंगों को बाहर नहीं निकाला गया था!

हमारे भारत की कुछ रियासतों के ऐतिहासिक दस्तावेजों में भी शवों को ममीकृत करने का जिक्र किया गया है। और ऐसी ही रियासतों में से एक रियासत है राजनगर की रियासत। जिस पर टूटने वाला है...

ममी का कहर

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा : जॉली सिन्हा | चित्र : अनुपम सिन्हा | इंकिंग : विनोद | सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय | सम्पादक : मनीष गुप्ता

राजनगर पर टूटा यह कहर इतिहास के पन्नों से उठकर आया था-
राजनगर रियासत का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है! यहां पर दौरीवंश के शासकों का शासन था! यहां पर दौरीवंश के शासकों का शासन था! याद हो गया!
हां, मुंह का रंग तो ठीक है! लाल लिपस्टिक लगी हुई है!
ऐ भइया, तंग मत करो! मुझे पढ़ने दो!

हूम! ठीक है! पर तेरी ड्रेस कुछ मैच नहीं कर रही! और तुझे इतना पढ़-पढ़कर भूख भी तो लग गई होगी! रुक मैं अभी आया!
ड्रेस मैच नहीं कर रही! किससे मैच नहीं कर रही? और मुझे भूख-वूख नहीं लगी है! तुमको लगी है तो मेरा दिमाग छोड़कर कुछ भी जाकर खा लो!

हां, ले श्वेता! बड़ी मुश्किल से ढूंढकर लाया हूं!
पीछे ही पड़ गया! कहा न कि तंग मत... अरे! यह हरा टॉप क्यों ले आए? और प्लेट में क्या है!... हरी मिर्चें!

हां! जिस तरह से तू रट्टा मार रही थी, मुझे लगा कि तुझमें तोते के गुण आ गए हैं! अब आ गए हैं तो लगना भी चाहिए न! लाल चोंच...मेरा मतलब होंठ और हरे टॉप में तू जब हरी मिर्चें चबाएगी, तो एकदम टॉय-टॉय तोता लगेगी! उसके बाद रट्टा तुझसे एकदम मैच करेगा!
फिर मैं तुम्हारे लिए उल्लू की ड्रेस ढूंढकर लाती हूं! रात-रात भर जगकर शिकार पकड़ते रहते हो न?

अगर तू तोते का भाई है तो!
ओऽऽऽ! यानी तू उल्लू की बहन है!
अच्छा, चल 'सीज फायर' कर लेते हैं! वाक युद्ध विराम! अब ये बता कि साइंस पढ़ते-पढ़ते तू एकाएक हिस्ट्री का रट्टा क्यों मारने लगी?
पापी पॉकेटमनी का सवाल है भइया! पापा तो पॉकेटमनी बढ़ाते नहीं, इसलिए मैंने एक पार्ट-टाइम नौकरी ढूंढ़ ली है! गाइड की जॉब!
तुझे गाइड की जॉब किसने दे दी? तू तो शायद अपने कॉलेज का नक्शा भी ठीक तरह से नहीं जानती होगी!
हा हा हा! घर की मुर्गी दाल बराबर! मुझे नौकरी अपनी काबलियत पर मिली है!... नॉलेज पर!
अच्छा मुर्गी! पर तू मुर्गी से तोता बनकर इतनी मेहनत क्यों कर रही है?
क्योंकि कल अमेरिका से एक टूरिस्ट पार्टी राजनगर घूमने आ रही है! उसे राजनगर के सारे ऐतिहासिक स्थलों पर घुमाना है! अब बताने के लिए कुछ तो याद होना चाहिए न!
हां हां! याद कर, याद कर! कहीं गलती से राजनगर को ताजमहल न बोल जाए!
एक काम कर! ये माइक्रो ट्रांसमीटर रख ले! कुछ भूल जाए तो करीम से पूछ लेना! मैं उससे कंप्यूटर पर राजनगर के इतिहास की सी॰डी॰ लगाकर रखने को कह दूंगा!
हा हा हा! श्वेता जीनियस को भला क्या पूछना पड़ सकता है! पर तुम्हारा दिल तोड़ने से बेहतर है कि मैं इसे रख लूं!
मेरा दिल टूटने से बचे या न बचे, पर इससे तेरा सिर टूटने से जरूर बच जाएगा! गुड नाइट!
गुड नाइट डियर ब्रदर!
और थैंक्यू! इस ट्रांसमीटर की जरूरत तो मुझको हर दो मिनट बाद पड़ेगी!

★अर्थः एक सैकेंड, मिस गाइड! क्या इस महल का कोई नाम भी है?

धमाके की गूंज, कमांडो हैडक्वार्टर तक जा पहुंची-
यह कैसी आवाज थी, करीम?
पता नहीं रेणु! श्वेता... श्वेता! जवाब दो!
कोई जवाब नहीं आ रहा है! यानी कुछ गड़बड़ है!
कैप्टेन से तुरन्त संपर्क करना होगा!
मामला 'कुछ' नहीं काफी गड़बड़ था-
क... कौन हो तुम लोग?
ह... हमसे क्या चाहते हो?
तुम्हारी मेहमान-नवाजी करना चाहते हैं! हम कश्मीर की जंगे आजादी के सिपहसालार हैं!...
...जेहाद-ए-लश्कर के सदस्य! कश्मीर मसले को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की हमारी कई कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं!
लेकिन इस बार नहीं होगी! इस बार हम अमेरिका से ही तस्करी द्वारा लाए गए अत्या-धुनिक इलेक्ट्रॉनिक हथियारों से तुम अमेरिकियों को ही बंधक बनाएंगे!
और जब हम तुमको एक-एक करके मारकर तुम्हारी लाशों को अमेरिकी दूतावास के आगे फेकेंगे तो अपने आप ही सारी दुनिया की नजर कश्मीर की तरफ घूम जाएगी!
चलो! खंडहर के अन्दर चलो!
अन्दर तो तुम लोग जाओगे! ...
...जेल के अन्दर! या ज्यादा आतंकभक्ति दिखाई तो कब्र के अन्दर!
आह!
तड़ाक

★विक्रम! तुम सचमुच इलेक्ट्रोनिक्स में माहिर हो। यह तुमने किया कैसे?

मैं अपने द्वारा बनाए गए कुछ खास इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों को हमेशा साथ में लेकर चलता हूं! यह कमाल 'स्क्रीन मेकर' और 'थ्री-वे माइक्रो प्रोजेक्टर' का है। 'स्क्रीन मेकर' को जहां भी जमीन पर डाल दो वह वहां की हवा को एक ऐसे पारदर्शी पर्दे में बदल देता है, जिस पर 'थ्री वे माइक्रो प्रोजेक्टर' द्वारा छोड़ी गई स्पेशल पिक्चर साफ नजर आती है! थ्री वे प्रोजेक्टर भी वहीं जमीन पर पड़ा-पड़ा हमारे ग्रुप की पिक्चर को दो और जगहों पर प्रोजेक्ट कर रहा है। इसलिए हम तीन जगहों पर एक साथ नजर आ रहे हैं!

अब हम महल के अन्दर छिपकर मदद का इन्तजार करेंगे! यह लड़की जहां से आई है, वहां से और लोग भी आते होंगे!

उस अमेरिकी पर्यटक का ख्याल गलत था! 'लड़की' कहीं और से नहीं आई थी-

हाजी पीर, वे तो महल के अन्दर घुस गए!

आऽऽऽह!

धाड़

वे भागकर कहां जाएंगे? उनको तो हम ढूंढ ही लेंगे! पहले खुदा के बंदों के काम में टांग अड़ाने वाली इस लड़की को खुदा तक तो पहुंचा दें!

वह वार शायद 'लेसर गन' से किया गया था! चंडिका के पैरों के आसपास का क्षेत्र पलभर में ठोस मिट्टी से धूल कणों में बदल गया-

और चंडिका के पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई-

अब इससे पहले कि ये संभले, इस काफिर को हम खुदाबंद इस जिन्दगी से निजात दिला देंगे!

नाम खुदा का लेते हो!...
...और बंदगी शैतान की करते हो! जेहाद के नाम पर मासूमों का खून बहाकर अपने स्वार्थ को पूरा करते हो!
शायद इसीलिए खुदा ने आज तक तुम्हारे मंसूबों को पूरा नहीं होने दिया! उनकी इच्छा से सुपर कमांडो ध्रुव जैसे लोग तुम्हारे इरादों पर पानी फेरते रहे हैं, और फेरते रहेंगे!
तड़ाक
ध्रुव!
यहां पर तो भीड़ बढ़ती ही जा रही है। महल की तरफ भागो मुजाहिदीनों, और बंधकों को कब्जे में ले लो! उसके बाद कोई हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा!
आऽऽऽह!
आऽऽऽह! ये खतरनाक हथियार इनके पास कहां से आए? और तुम यहां पर कैसे आ गईं, चंडिका?
जब भी मिलते हो, एक ही घिसा-पिटा सवाल पूछते हो! कुछ तो चेंज करो, ध्रुव!

फिलहाल इन आतंकवादियों पर काबू पाने की सोचो! एक तो इनके पास न जाने कैसे-कैसे इलैक्ट्रॉनिक्स हथियार हैं, और दूसरे अगर ये महल में घुसकर इधर-उधर फैल गए तो इनसे पहले टूरिस्ट पार्टी तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा! क्योंकि यह महल बड़ा तो है ही, साथ ही साथ इसमें छिपने की हजारों जगहें भी हैं!
यू आर राइट, चंडिका! पर... तुम यहां तक पहुंची कैसे?
ध्रुव और चंडिका थोड़ा पिछड़ गए थे! क्योंकि उनके आतंकवादियों तक पहुंचने से पहले आतंकवादी अलग-अलग होकर महल में फैल गए थे-
ओफ! इसकी तो सुई अटक गई है!
ओ माई गॉड! मदद तो आई नहीं, पर एक टेररिस्ट जरूर इधर ही आ रहा है! अब हम क्या करें?
घबराओ मत! मैं कुछ करता हूं! रिलैक्स!
ये 'सोनिक डिवाइस' अल्ट्रासोनिक वेव्स फैलाकर इसके दिमाग को हिला डालेगा! और उसी बीच हम इस पर काबू पाकर इसके हथियार छीन लेंगे!
तुम सब अपने कान बन्द कर लो!
अल्ट्रासोनिक तरंगों ने उस आतंकवादी के दिमाग को हिलाने के साथ-साथ उसका हाथ भी हिला दिया! और गलती से दगी लेसर वार ने संयोगवश 'सोनिक डिवाइस' के परखच्चे उड़ा दिए-

और उस आतंकवादी को पर्यटकों के छिपने के ठिकाने का पता लग गया-
ओह! लेसर ब्लास्ट!
इयायायाऽऽऽ

हा हा हा! बाहर निकल आओ अमेरिकी चूहो, वर्ना इसी बिल में तुम्हारी कब्र बना दूंगा!
ट्यूम
ट्यूम

लेकिन तभी-लेसर किरण और निशाने के बीच में एक शीशा आ गया-

और पलभर के लिए पलटी लेसर किरण ने आतंकवादी को ही निशाना बना लिया-

रही-सही कसर शीशा गिराने वाले ने पूरी कर दी-
भला हो तुम्हारी चीखों का, जिसने मुझे सही जगह पर पहुंचा दिया, और इस शीशे का भी जो इतनी सदियों तक भी दीवार पर लटका रहने के बाद अब तक सही-सलामत था!
तड़ाक
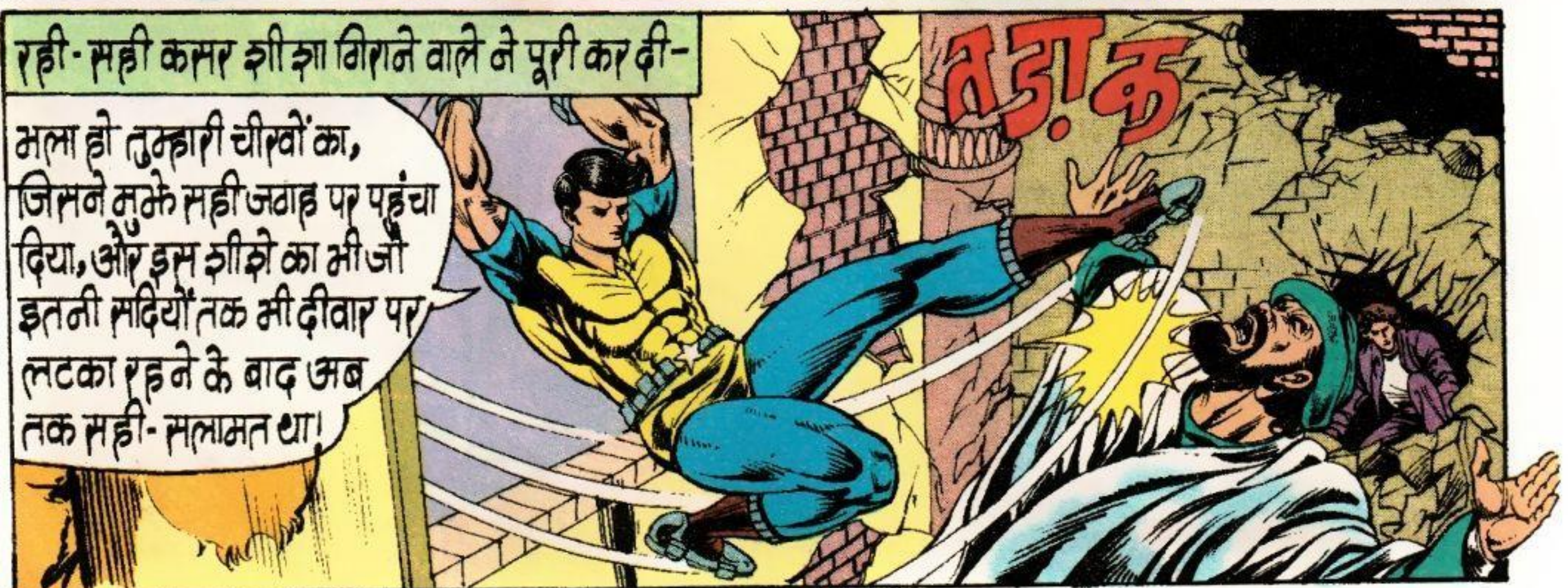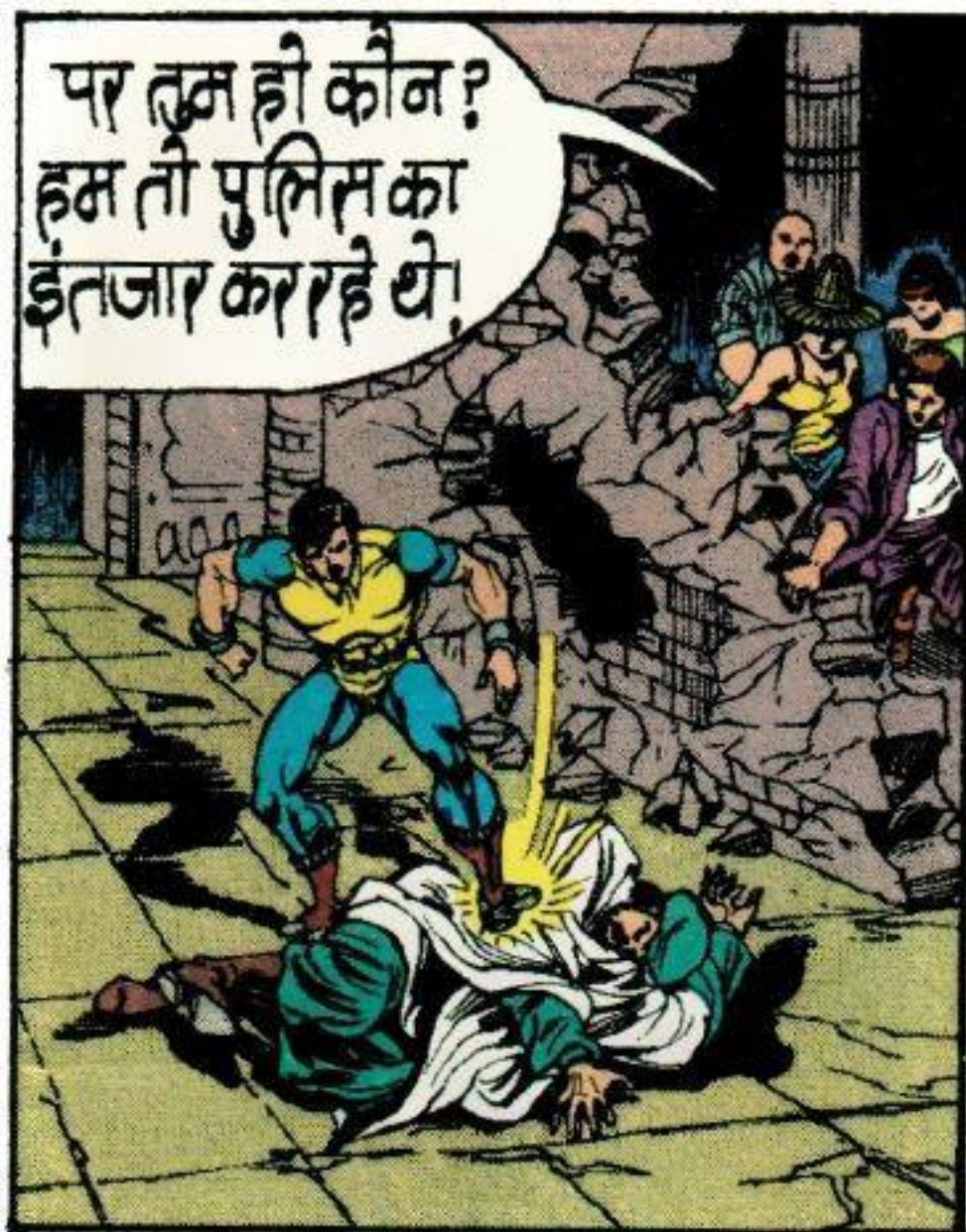
पर तुम ही कौन? हम तो पुलिस का इंतजार कर रहे थे!
मुझे पुलिस का ही छोटा-मोटा रूप समझिए! मैं सुपर कमांडो ध्रुव हूं! पर... आप लोगों की गाइड कहां पर है?
वो... श्वेता! वह तो बाहर ही रह गई थी! पहला ब्लास्ट उसी के पास हुआ था! वह वहीं पर बेहोश होकर गिर गई थी!
श्वेता घायल है? पर वह तो मुझे बाहर कहीं नहीं दिखी!
ओह! श्वेता गायब, और चंडिका हाजिर! हर बार ऐसा ही होता रहा है! सिवाय एक बार के! लेकिन मुझे अभी भी कुछ और सबूतों की जरूरत पड़ेगी!
अरे, क्या सोचने लग गए? यहां से बाहर निकलने का रास्ता सोचो मिस्टर ध्रुव!
ओ, हां, हां! बाहर निकलने का रास्ता तो मैं ढूंढ ही लूंगा! पर दो आतंकवादी अभी महल में ही कहीं पर हैं! हमको बहुत धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा! क्योंकि आप यारों के साथ होने पर मैं उनसे मुकाबला नहीं कर सकता! आपकी सुरक्षा मेरी पहली चिन्ता है!
अगर ये पहले से ही पता चल जाए कि वे आतंकवादी महल में कहां पर हैं तो काम आसान हो जाएगा कि नहीं?
यह पता कैसे लगेगा?
इस 'बायोस्कैन' से! मेरा लेटेस्ट आविष्कार है यह! यह सौ मीटर के घेरे में मौजूद हर जिंदा वस्तु की 'रडार-इमेज' को अपनी स्क्रीन पर दिखा सकता है!
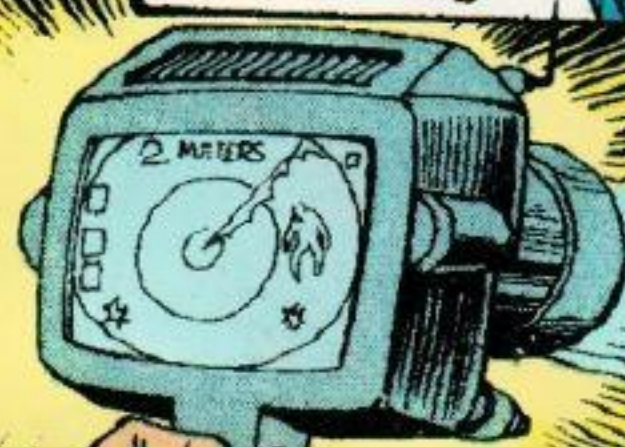
यू आर रियली एन इलैक्ट्रॉनिक्स विजार्ड विक्रम! ★

विक्रम! नाम तो हिन्दुस्तानी है! पर तुम तो कहीं से भी हिन्दुस्तानी नहीं लगते!

हो सकता है कि मेरे पूर्वजों में कभी कोई हिन्दुस्तानी भी रहा हो, तभी तो मेरे इटैलियन पिता जी को ये नाम पसन्द आ गया!

मजाक कर रहा था। दरअसल हमारे पड़ोसी हिन्दुस्तानी हैं, इसीलिए मेरे पिताजी पर हिन्दुस्तान का गहरा असर है!

ओह! मैं कहां की बातें करने लगा! ये देखो! ये छोटे-छोटे फ्लैश चूहे और सांपों जैसे जानवरों के हैं! और... ये रहा एक आतंकवादी!

दूसरा शायद रेंज से बाहर है। पर पहला वाला इधर ही आ रहा है! सीढ़ियां चढ़ चुका है!

और ये बाहर जाने के रास्ते पर ही मौजूद हैं! हम इससे बचकर बाहर नहीं जा सकते!

चीखें और पत्थर गिरने की आवाजें इधर से ही आई थीं! यानी वे अमेरिकी इधर ही छिपे हुए हैं! मुझे संभलकर चुपचाप आगे बढ़ना होगा!

★ विक्रम! तुम वास्तव में इलैक्ट्रॉनिक्स के जादूगर हो।

वाऊ! व्हाट ए किक! मुझे बड़ी खुशी है कि तुम हमारी तरफ हो, ध्रुव!
मैं हर उस शख्स की तरफ हूं, विक्रम, जो कानून का पालन करता है!
मैं तो करता हूं भाई! मुझे ऐसी किक नहीं खानी! पर...पर ये क्या? दूसरा आतंकवादी भी 'बायोस्कैन' की रेंज में आ गया है! लेकिन उसकी तरफ तो कोई और भी बढ़ रहा है! चौथा आतंकवादी कहां से आ गया?
ये चंडिका होगी! वह उस आतंकवादी पर हमला करने जा रही होगी! जल्दी बताओ, कहां पर हैं वे दोनों?
ठीक हमारे नीचे!
ओफ! घूमकर जाने में तो बहुत समय लग जाएगा! तब तक न जाने क्या होगा!
क्योंकि ये आतंकवादी मामूली गुंडे नहीं हैं! ये युद्ध के अनुभवी आतंकवादी हैं! चंडिका इनसे अकेले नहीं निपट पाएगी!
ध्रुव! मिल गया फटाफट नीचे पहुंचने का रास्ता!
नीचे चंडिका ने वार तो सही किया था-
गन तो बाद में गिराऊंगा!...
बस! हिलना मत! हिले तो एक झटके में गर्दन तोड़ दूंगी!
अपनी गन नीचे गिरा दो!

...पहले तुझे नीचे गिरा दूं!
बहुत परेशान कर लिया तूने! अब तू किसी को परेशान नहीं कर पाएगी! क्योंकि तेरे बदन की हर हड्डी कई टुकड़ों में टूटने वाली है!
लेकिन चंडिका की हड्डियां टूटने से पहले-
छत टूट गई-
और उसके बाद हाजीपीर के सिर पर कयामत टूट पड़ी-
गुड विक्रम! उस आतंकवादी की लेसर गन से फर्श में छेद करके नीचे पहुंचने का आइडिया वाकई में 'फटाफट-आइडिया' था!
आऽऽऽह!
तुम सबकी मौत भी उतनी ही फटाफट होगी, लड़के!
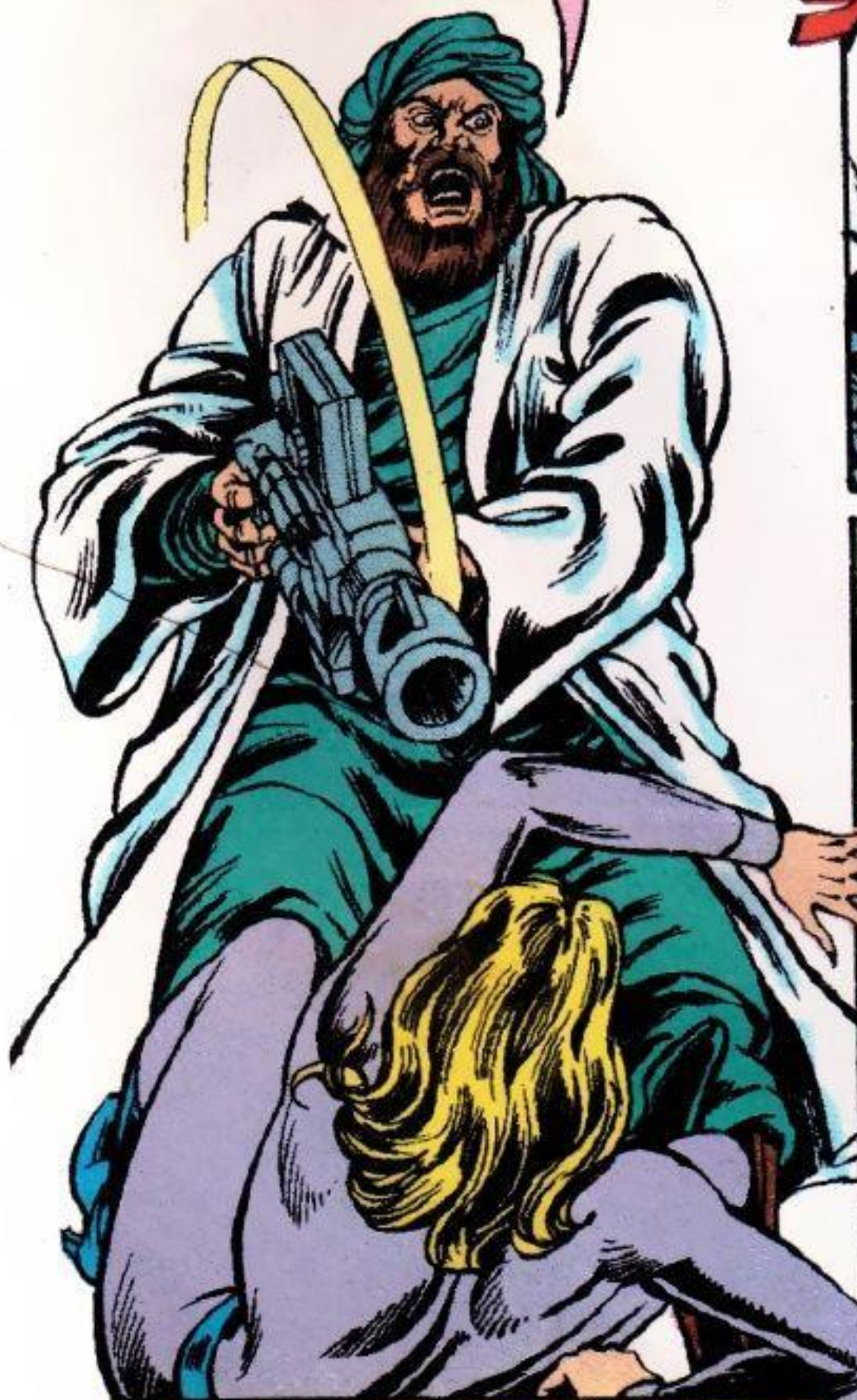
क्योंकि अब मैं इस 'इलैक्ट्रॉनिकगन' का 'शूटिंग मोड' बदल दूंगा! अब इसमें से वे लेसर किरणें नहीं निकलेंगी, जिनका निशाना साधना पड़ता है, बल्कि वे 'इलैक्ट्रॉन रेज' निकलेंगी, जो वातावरण में इधर-उधर फैल जाती हैं! और जिनके हमले से शिकार कभी बच नहीं पाता!
आऽऽऽह! ये 'इलैक्ट्रॉन रेज' हम पर 'करेंट' लगने सा असर कर रही हैं! और हमारे साथ-साथ इन्होंने पर्यटकों को भी लपेटे में ले लिया है।... जल्दी ही कोई रास्ता सोचना होगा! वर्ना हम सब एक साथ मारे जाएंगे!
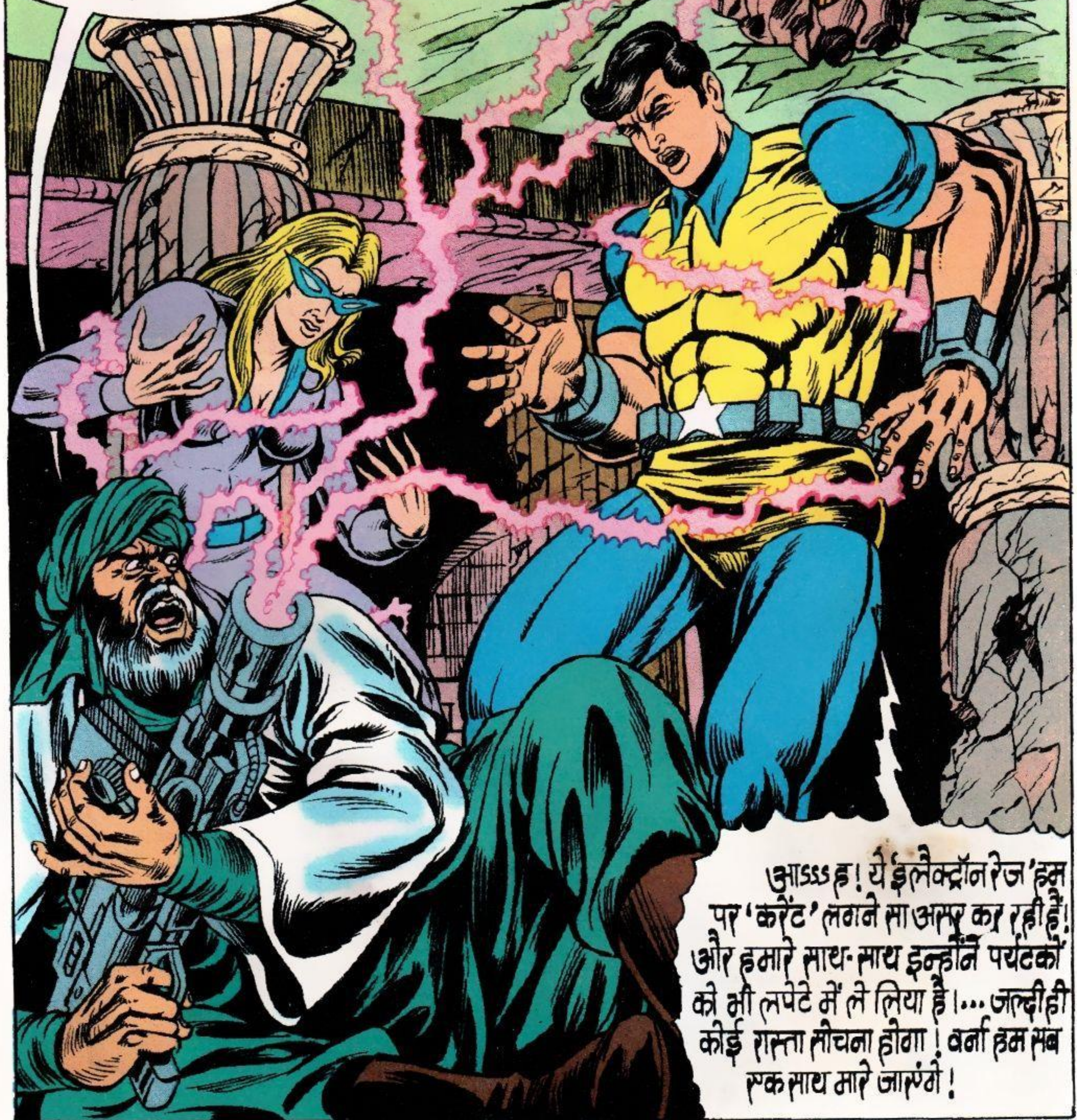
कोई रास्ता नहीं है ध्रुव! इन किरणों से तो किसी चीज की आड़ लेकर भी नहीं बचा जा सकता। ये तो बादलों में चमकती बिजली की तरह टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता तय कर सकती हुई कहीं पर भी घूम सकती है!
उस बिजली को भी 'तड़ितचालक' यानी 'लाइटनिंग रॉड' की मदद से रास्ता दिखाया जा सकता है, चंडिका!... और इसी बात से मुझे एक आइडिया आ गया है!...
आऽऽऽह! तू मुझ पर डोरी फेंक रहा है! तू समझता है कि तू डोरी के सहारे मुझसे जुड़ जाएगा तो करंट का असर मुझ पर भी आ जाएगा! ठीक समझता है तू! असर आएगा तो जरूर, पर मामूली सा!...
...क्योंकि 'इलेक्ट्रान रेज' का ज्यादातर चार्ज तो तेरा ही बदन सोखे ले रहा है!
ऐसा है तो मैं अपने बदन को बीच से हटाकर...
कटाक
... तुम्हारे चार्ज से तुम्हारा सीधा संपर्क करवा देता हूं! हॉट लाइन से!
ईईआ
ईईयाँ
स्टार लाइन का दूसरा छोर 'गन' के बैरेल में फंसते ही, हवा में फैल रही 'इलेक्ट्रॉन-तरंगों' को एक रास्ता मिल गया–
और वह रास्ता हाजीपीर के शरीर पर जाकर खत्म होता था–

कहानी 19 पेज से जारी

सुपर्ब, ध्रुव! बहुत खूब! तुम्हारे जैसा दिमाग मेरे पास होता तो हर चीज को ही इलेक्ट्रॉनिक का बना देता!
तब तो भगवान का शुक्र है कि तुम्हारे पास वैसा दिमाग नहीं है! खैर, अब पुलिस के आने तक यहीं इंतजार करना पड़ेगा! इनको छोड़कर नहीं जाया जा सकता! पर तब तक हम करेंगे क्या?
हां, अब क्या करना है! हमारी आज की ट्रिप तो बेकार हो गई!
और कल हमको वापस जाना है!
नहीं, नहीं! ट्रिप बेकार क्यों होगी? ट्रिप बेकार करवा देंगी तो मेरी फीस मारी जाएगी! आइए, तब तक मैं आपको राजनगर के दौरी वंश का इतिहास सुनाती हूं!
ओ, श्वेता! तुम गायब तो चंडिका हाजिर, और अब चंडिका गायब तो तुम हाजिर!
तुम हमारी गाइड को जानते हो?
हां!
ये मेरी बहन है!
श्वेता!
हां, तो अमेरिकन भाइयो, बहनो! मैंने आपको दौरी वंश के अंतिम राजा राजबल दौरी के बारे में बताया था। राजबल दौरी के सिर्फ एक पुत्र था, जो जंगल में शिकार खेलते वक्त लापता हो गया था! जीवनभर राजबल उसकी तलाश करता रहा, पर वह नहीं मिला! राजबल को फिर भी यकीन था कि उसका बेटा जिन्दा है!
इसीलिए मरने से पहले उसने अपने खजाने को एक गुप्त तहखाने में रखवा दिया, और यह आदेश दिया कि उसके मरने के बाद उसके शव को रसायनों द्वारा संरक्षित करके उसी तहखाने में रखवा दिया जाए!
ओ! इसका मतलब 'शव संरक्षण' यानी ममी बनाने की कला, सिर्फ मिस्र वालों के ही नहीं, भारतवालों के पास भी थी!

अब, कहते तो यही हैं! पर सबूत अब तक किसी को नहीं मिला है! सबूत गजबलदौरी की वह 'ममी' है, जो इसी महल के किसी तहखाने में दफन है! अच्छा, अब आगे तो सुनो!
वर्ना रट्टा लगाया हुआ कहीं भूल गई तो अब तो मेरा माइक्रोफोन भी धमाके से खराब हो गया है। करीम से पूछ भी नहीं पाऊँगी!
हाँ, तो गजबल दौरी को... नहीं... गजबलदौरी ने... अच्छा हाँ! याद आ गया! गजबलदौरी को उसके खजाने के साथ, 'ममी' बनाकर दफना दिया गया! कहते हैं कि गजबल दौरी की आत्मा उस खजाने की रखवाली करती है! ताकि जब भी उसका कोई वंशज वापस आए तो वह उसको सौंप सके! और अगर किसी और ने उसके खजाने को हाथ लगाया तो उसकी मौत बहुत भयानक होगी! बस खत्म!
क... कौन खत्म?
कहानी खत्म! आज का टूर खत्म!
मेरा काम खत्म! मैं तो चली बिल बनाने!
और फिर थोड़ी देर बाद-
ये तीनों बहुत खतरनाक आतंकवादी थे!
और इनको पकड़ने में तुमने जो मदद की है, उसके लिए तुमको 'विशिष्ट-जन सम्मान' के लिए चुना गया है! दो दिन बाद एक समारोह में मेयर साहब तुमको 'रक्षक-चक्र' से सम्मानित करेंगे!
थैंक्यू, कमिश्नर मेहरा! थैंक्यू!
मेरे साथी तो कल जा रहे हैं ध्रुव!
तुम उनको दो दिनों के बाद ज्वाइन कर लेना! अब तुम राजनगर के मेहमान हो! एन्ज्वाय!
तब तक तुम मुझे इलेक्ट्रॉनिक की दो-चार... नहीं, नहीं, दो-चार से क्या होगा? तुम मुझे दो-चार सौ चीजें बनाना सिखा देना!
मेरे पास एक सुझाव है ध्रुव...
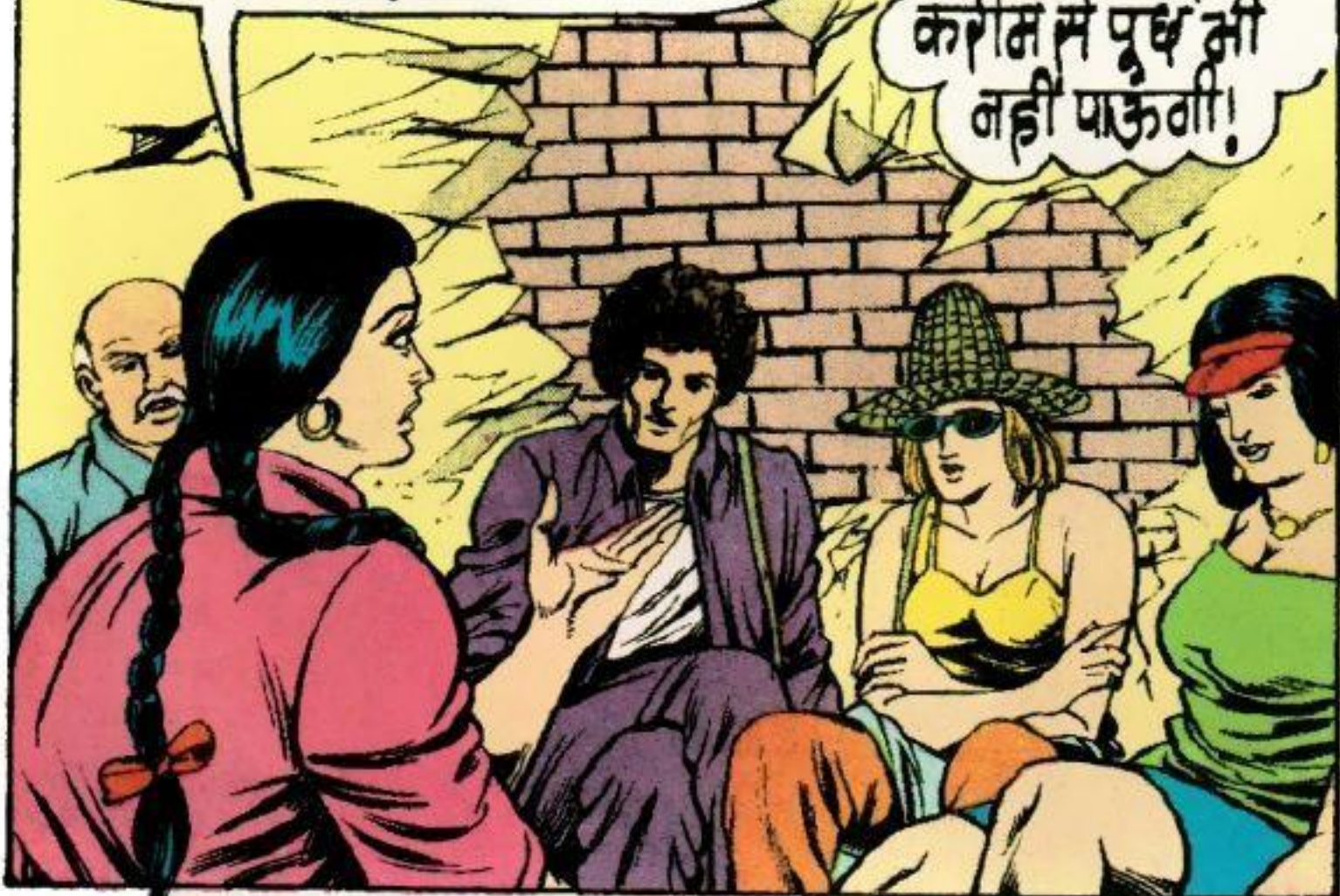
★मैं एक हिन्दुस्तानी ममी देखना चाहता हूं।

अगले दिन सुबह से महल और उसके आस-पास गुप्त तहखाना ढूंढने का काम शुरू हो गया। रात भर में विक्रम ने कई 'अन्वेषक यंत्र' बना डाले थे-
कुछ मिला ?
नहीं, सर! काफी बड़े एरिया की छानबीन करनी है। मुझे तो लगता है कि छान-बीन पूरी होने में एक हफ्ते से कम का समय नहीं लगेगा।
दिन धीरे-धीरे बीतता गया। किसी भी अन्वेषक टीम को सफलता हाथ नहीं लगी थी-
लेकिन तभी-
पींपपींप पींपपींप
ध्रुव! मिल गया! ये सिग्नल इशारा कर रहे हैं कि इस जगह के नीचे काफी मात्रा में सोना दबा हुआ है!
यहां की खुदाई कराओ! तुरन्त!
विक्रम का ख्याल सही था! कुछ ही फीट मिट्टी हटाने के बाद नीचे जाती हुई सीढ़ियां साफ नजर आने लगी थीं-
वाऊ! मेरा यंत्र सही काम कर रहा है!
धड़कते दिलों से सभी सीढ़ी से नीचे उतरे-
सामने एक चट्टानी दरवाजा है! खजाना इसी के अन्दर होगा! इसे खोलिए!
दरवाजा खोला गया-

और ममी की आंखों के ढले, अपने गड्ढों से बाहर आने को बेताब होने लगे-
इस खजाने की कीमत तो खरबों रुपए में होगी!
कमाल हो गया! यह ऐसी पहली ममी है, जो मिस्र से बाहर कहीं मिली है! सिवाय मैक्सिको के!
और इसका टेन परसेन्ट मुझे मिलेगा! मुझे तो सोचकर ही चक्कर आ रहे हैं!

ऐसे खजाने तो मिलते ही रहते हैं! असली खजाना तो यह है! ममी का ताबूत! देखते हैं कि साढ़े तीन हजार साल पुरानी ममी किस हालत में है!

संभलकर डॉक्टर राव! मैं जानता हूं कि आपके पुरातत्व विभाग ने कई पुरातत्व रहस्यों को खोजा है! पर इस बॉक्स में सांप-बिच्छू जैसी खतरनाक चीजें भी हो सकती हैं!
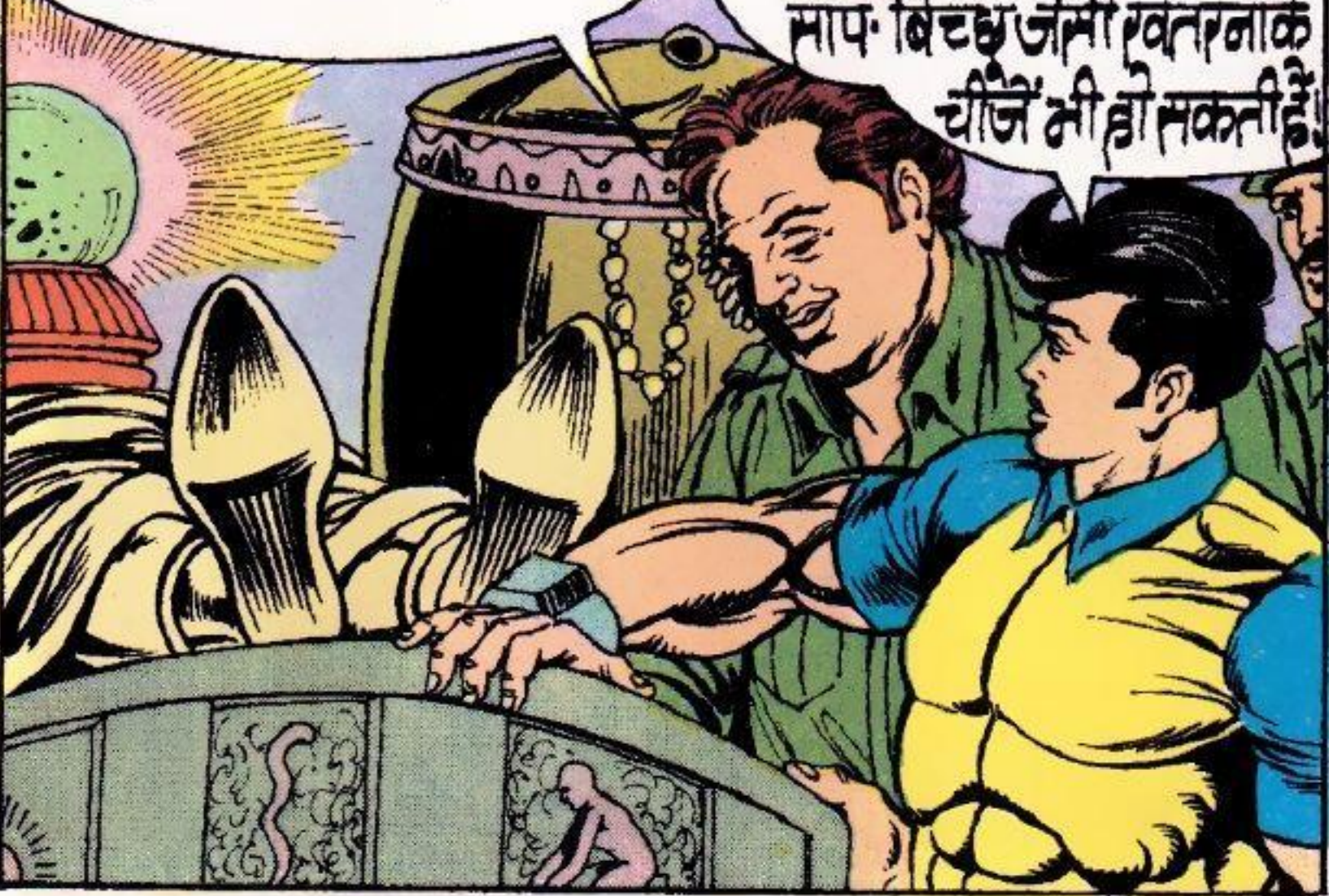
अरे, ऐसी चीजें रोज-रोज थोड़ी ही मिलती हैं ध्रुव! मुझसे तो सब्र नहीं हो रहा है! मैं इसको तुरन्त ही खोलूंगा, चाहे इसके अन्दर साक्षात यमराज ही क्यों न बैठे हों!
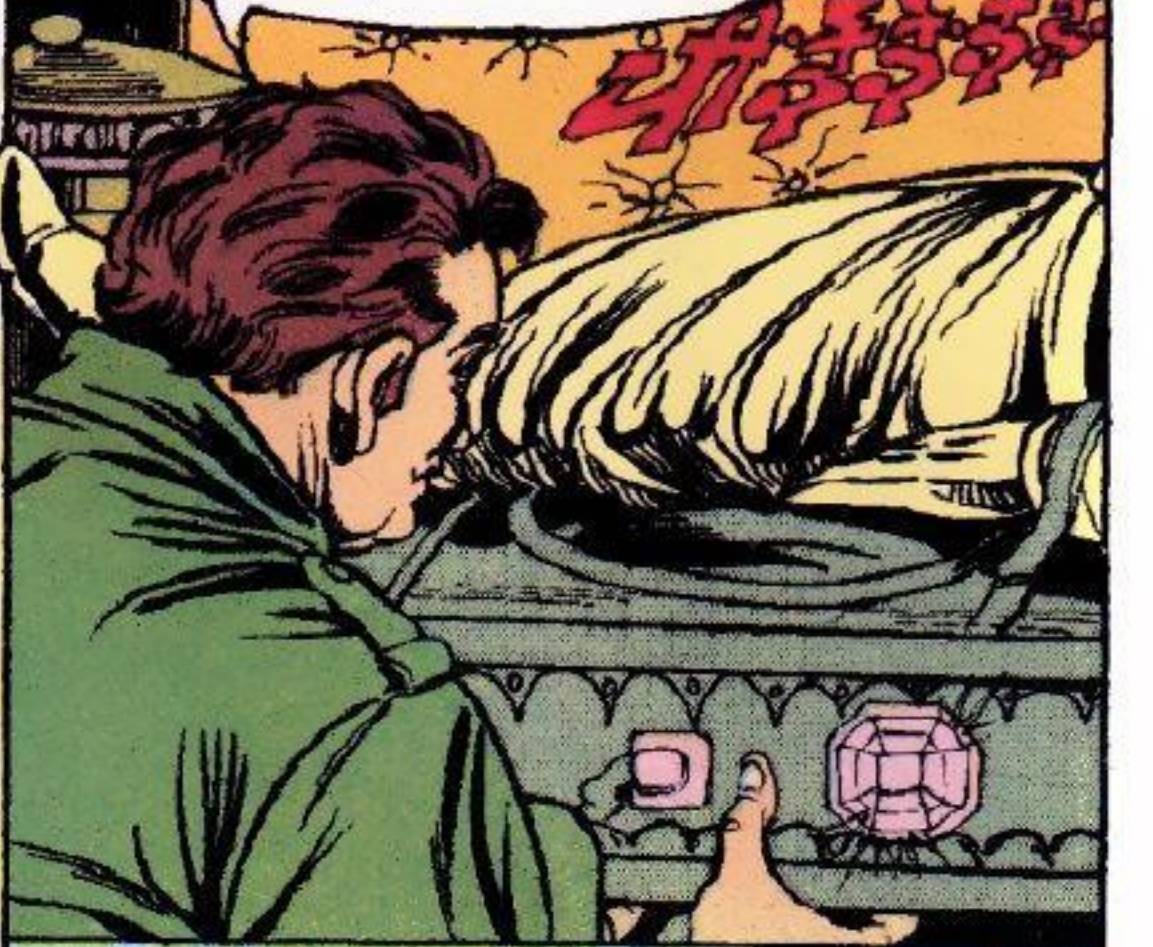
डॉक्टर राव ने ताबूत के ढक्कन को ऊपर उठाया-

और कहीं पर हुई एक हल्की सी आवाज ने ध्रुव का ध्यान खींच लिया-

यह आवाज? जैसे कोई लीवर दबा रहा हो... कहीं यह...

...सब झुक जाओ! तुरन्त!

य...यह क्या था?
इस 'ममी' का सुरक्षा प्रबंध! लगता है उस समय का भी भारतीय विज्ञान काफी उन्नत था! अगर मुझे पहले से ही ऐसी किसी घटना होने की आशंका न होती, तो आज हम सब मारे गए होते!
अ...अब ताबूत खोलूं?
खोलिए! मैं किसी भी संभावित दुर्घटना का ध्यान रखूंगा!
ताबूत एक बार फिर खुलने लगा-
पर इस बार कोई और दुर्घटना नहीं घटी-
और साढ़े तीन हजार वर्षों के बाद, गजबल दौरी के शरीर से एक बार फिर वातावरण की वायु का स्पर्श हुआ-
फैब्युलस! हाऽऽऽह!
वाऽऽऽह! य...यह तो सचमुच की ममी है!
इसके हाथों में क्या है? कोई संदेश लगता है!
संस्कृत में लिखा है!
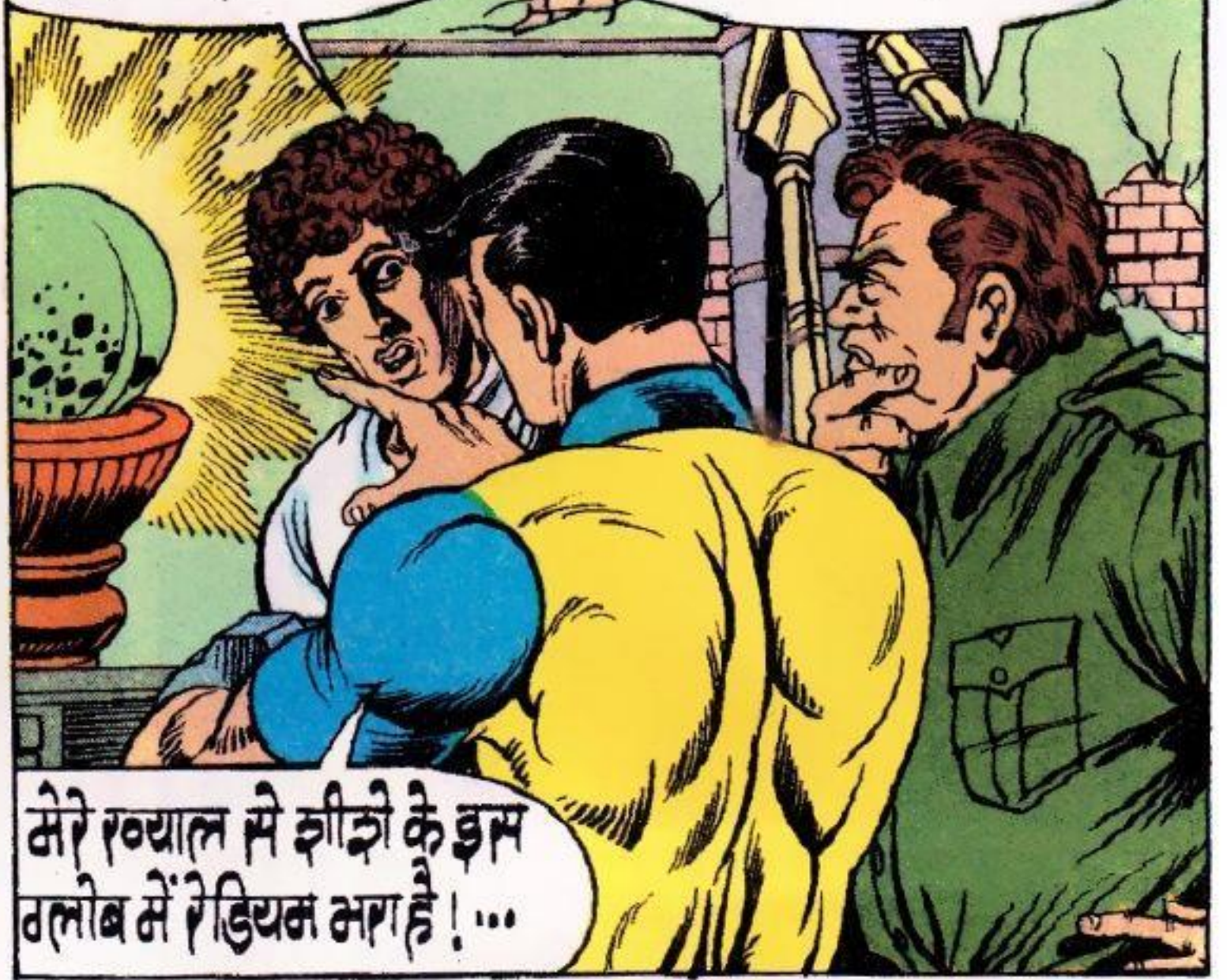
मैं स्पेशल ब्लैक कमांडो पुलिस फोर्स को इस कक्ष के पहरे पर बिठा देता हूं! और जब तक खजाना किसी सुरक्षित स्थान पर रखने का इंतजाम नहीं कर लिया जाता, तब तक इस कक्ष के अंदर किसी को भी घुसने नहीं दिया जाएगा!

अरे, भाई, अगर ऐसा है तो मैं इस 'ममी' को अपनी लैब में ले जाना चाहूंगा! मुझे इस पर काफी टेस्ट करने हैं... और फिर इसको सुरक्षित रखने का इंतजाम भी करना है!

ठीक है डॉक्टर राव! मैं इस 'ममी' को आपकी लैब तक पहुंचाने का इंतजाम कर देता हूं!

डॉक्टर राव की इच्छा के अनुसार, राजबल दौरी की ममी को पुरातत्त्व विभाग की अत्याधुनिक लैब में पहुंचा दिया गया-
इसकी 'कार्बन डेटिंग' करो! मुझे इसकी एकदम सही उम्र जाननी है!
और राजनगर में सबकुछ पहले की तरह चलने लगा-
अरे! क्या हुआ श्वेता? तू तो विक्रम के पास गई थी न? इलेक्ट्रॉनिक्स के नए-नए यंत्र बनाना सीखने के लिए! इतनी जल्दी वापस कैसे आ गई?
विक्रम साहब के पास टाइम नहीं है! वह तो बस... अपने दस परसेंट का हिसाब जोड़ने में लगा हुआ है! दो चीज समझाता है... फिर अपना हिसाब करने लगता है!
तुम देखना, राजबल की ममी ने उसे पागल किया है! अब वही ममी उसको उसकी मम्मी की याद दिलाएगी! तब दिमाग ठिकाने आएगा उसका।
श्वेता बात तो मजाक में कह रही थी-

लेकिन राजनगर सचमुच में ऐसा ही कुछ भुगतने वाला था-
चलो! दो दिनों में ही सारे टेस्ट पूरे हो गए! मुझे तो लग रहा था कि हफ्तों लग जाएंगे! अब इसको नाइट्रोजन कैप्सूल में सील करके...

...राजनगर म्यूजियम में भिजवा दो! उन्होंने इस नायाब ममी के लिए एक स्पेशल ग्लास रूम बनवा कर रखा हुआ है!

मैं कहां हूं? यह कैसी जगह है?
ममी के कमरे से ये आवाजें कैसी आ रही हैं?

स...सर! सर! 'ममी' तो... उठकर खड़ी हो गई है!
'ममी' क्या होता है? सम्राट गजबल बोल मुझे! और...मेरा खजाना कहां पर है? यह कैसी जगह है! बता मुझे...
व...व्हाट?
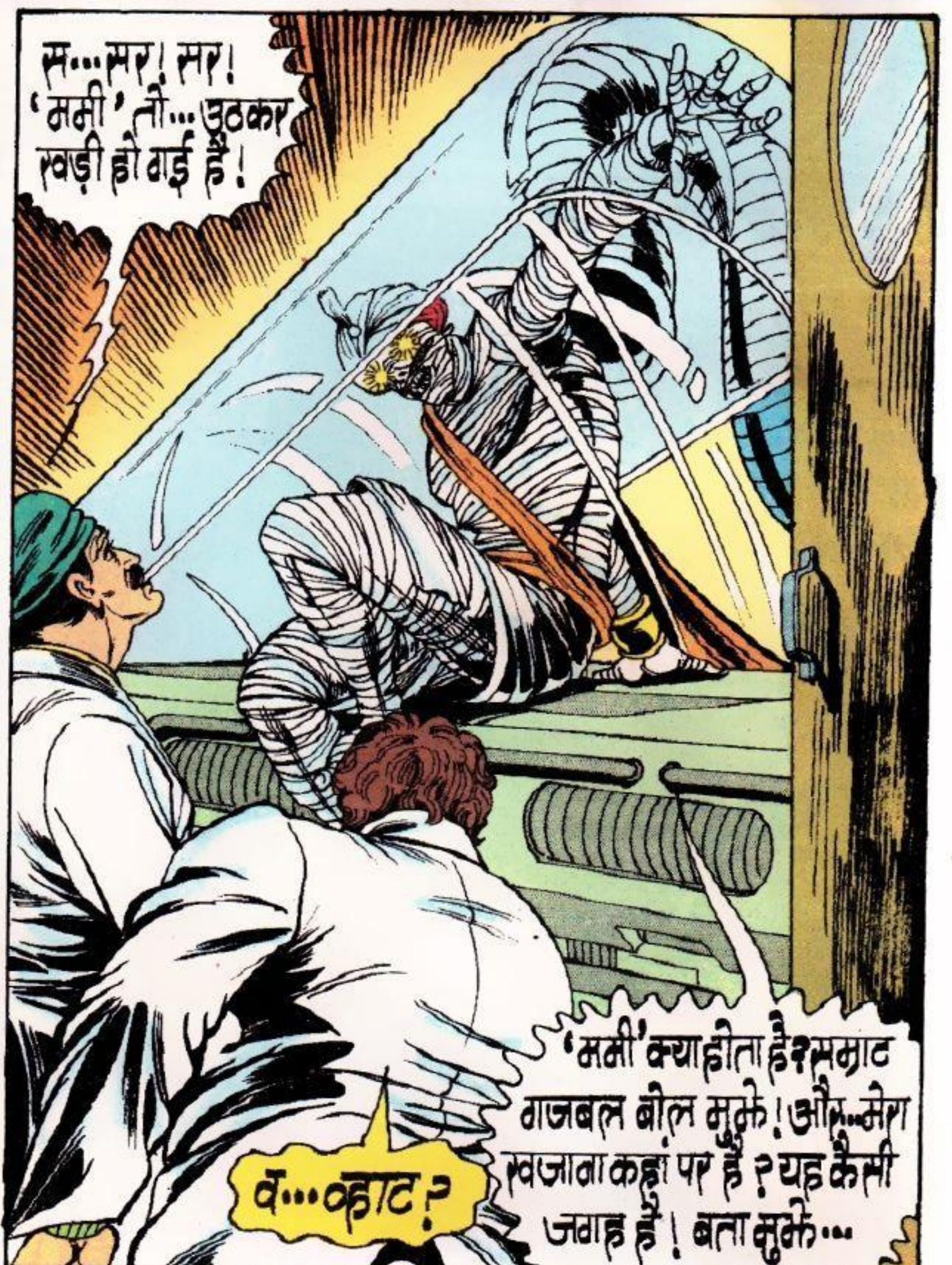
...बता! मेरा राज्य कहां गया? ये सारे यंत्र कैसे हैं? और... तुम कौन हो? कौन हो?
ऊऊऽऽऽ! आऽऽऽ! य... यह क्या हो रहा है? यह असंभव है! मरा हुआ इन्सान जिन्दा नहीं हो सकता!

मैं मरा नहीं हूं! मैं मर नहीं सकता! जब तक मेरा खजाना मेरे हाथों में नहीं पहुंच जाता, तब तक मैं खत्म नहीं हो सकता!
कहां है मेरा खजाना? यह सच नहीं हो सकता! यह जरूर कोई जादू है! बता, क्या है यह सब?
म...मैं बताता हूं! दुनिया बदल चुकी है, राजबल! त...तुम साढ़े तीन हजार साल बाद जगे हो! तुम्हारा राज्य कब का खत्म हो चुका है!
और तुम्हारा खजाना उसी तहखाने में सुरक्षित रखा है, जिसमें तुमको दफन किया... मेरा मतलब सुलाया गया था!

किसने खोदा मेरे शयनकक्ष को? किसकी हिम्मत हुई मुझे जगाने की? किसकी?
विक्रम की! हां...हां, यह सब विक्रम का किया धरा है! हमारा नहीं! हमें छोड़ दो!
कौन है ये विक्रम? हमारा दुश्मन! कहां पर मिलेगा वह? अब मैं पहले उसे खत्म करूंगा, और फिर खजाने को लेने जाऊंगा!

वह इंपीरियल होटल में है! कमरा नम्बर तेरह में! तुम वहीं जाओ!
ठीक है! पर याद रखना! अगर तुम्हारी सूचना गलत हुई तो राजबल दौरी तुमको तड़पा-तड़पाकर खत्म करेगा! ऐसे!
म...मैं सच बोल रहा हूं! तुम जाओ!
मैं भी कितना मूर्ख हूं! एक मुर्दे से बात कर रहा हूं!
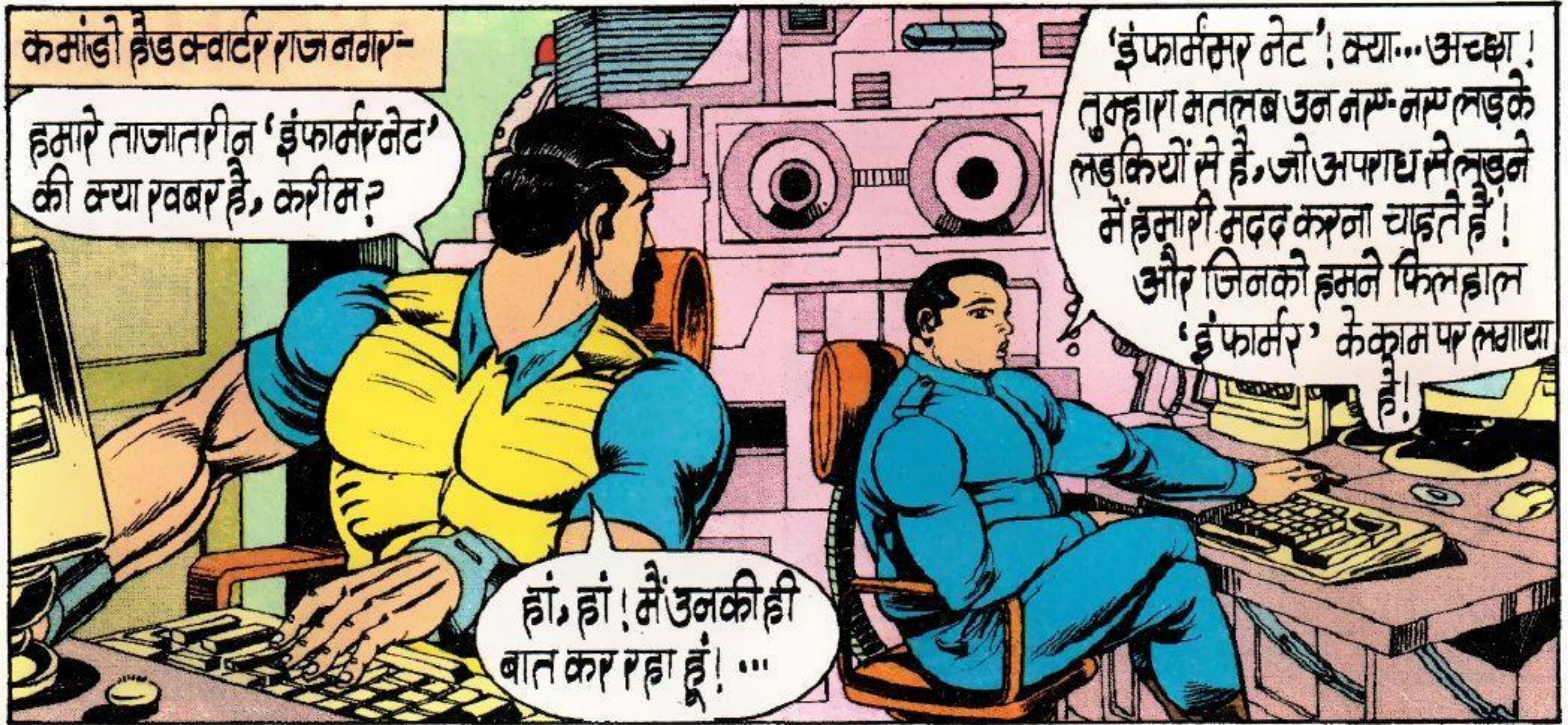
कमांडो हैडक्वार्टर राजनगर-
हमारे ताजातरीन 'इंफार्मरनेट' की क्या खबर है, करीम?
'इंफार्मर नेट'! क्या... अच्छा! तुम्हारा मतलब उन नन्हे-नन्हे लड़के लड़कियों से है, जो अपराध से लड़ने में हमारी मदद करना चाहते हैं! और जिनको हमने फिलहाल 'इंफार्मर' के काम पर लगाया है!
हां, हां! मैं उनकी ही बात कर रहा हूं! ...

उनमें से कुछ को तो अभी पीटर और रेणु ट्रेनिंग दे रहे हैं कि किस तरह की घटनाओं की इंफार्मेशन देनी चाहिए, और छोटे-मोटे खतरों से कैसे निपटा जाना चाहिए! ...
... और जिनकी ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है, उनको हमने एक-एक यूनीफार्म और बैज दे दिए हैं! वे सभी शहर के अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं। इसीलिए वे अपने-अपने घरों में रहते हुए भी वहां आसपास होने वाले किसी भी अपराध की सूचना हम तक पहुंचा सकते हैं!
1302

अभी तक तो किसी ने कोई इंफार्मेशन नहीं भेजी है! मुझे लगता है कि उनको काम समझने में थोड़ा वक्त लगेगा... लो! लगता है 'श्रीगणेश हो गया! किसी का फोन आ रहा है!
ट्रिंगSSS
HOT L

यस कमांडो हैडक्वार्टर हियर!
सर! मैं जूनियर कमांडो 292 हूं! सुभाष नगर फोर्थ रोड से! यहां पर एक आदमी ने बहुत उत्पात मचाया हुआ है! सबसे इंपीरियल होटल का पता पूछ रहा है!
हुम! यानी बाहर से आया हुआ लफंगा है! ...
... हुलिया बताओ!

हुलिया बताना जरा मुश्किल है सर! उसने अपने पूरे बदन पर पट्टियां बांध रखी हैं, जैसे अस्पताल में मरीजों को बांधते हैं... और...
...और उसने सिर पर राजा जैसी पगड़ी बांध रखी है। और...
पगड़ी!
करीम, तुरन्त पुरातत्त्व विभाग की लैब का नंबर मिलाओ! अर्जेंट!
NUMBER CALLING
ओ० के जूनियर कमांडो, 292! बाद में बात करेंगे! ओवर!
ओफ! बीच में ही लाइन काट दी! अब मैं क्या करूं! पहले ही एसाइनमेंट में फेल हो जाऊंगी क्या?
नहीं! मैं खुद इसको रोकूंगी! एक कमांडो के लिए कुछ भी असंभव नहीं होता! यही हमको सिखाया गया है!
जूनियर कमांडो 292 स्थिति की गंभीरता को समझ नहीं पा रही थी-
बता! किधर है इंपीरियल होटल! बता!
उ...उधर! कहो तो मैं लिफ्ट दे दूं!
बस, मेरी जान बख्श दो!
लिफ्ट तो अब इसको हम देंगे! जेल तक!
आऽऽऽह! जल की इतनी तीव्र धारा भला कहां से आई? मैं सचमुच किसी जादूनगरी में पहुंच गया हूं!

जादूनगरी नहीं, जेल नगरी बोल! चुपचाप आत्मसमर्पण कर दे, वर्ना परलोक नगरी पहुंचा दिया जाएगा!
वाह! 'रैपिड एक्शन फोर्स' आ गई है! अब मुझे बीच में पड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी! थैंक गॉड!
कैडेट 292 यह नहीं समझ रही थी कि यह मामूली दंगा-फसाद करने वाला नहीं था-
उसकी आंखों से किरणें निकलकर पानी की धार से टकराईं-
और सारा पानी एकाएक भाप में बदलने लगा-
धार बन कर बढ़ता पानी-
पाइप के अन्दर का पानी-
और 'हाइड्रेन्ट' में भरा पानी-
सारा पानी एकाएक भाप में बदल गया! और इस भाप ने पाइप के साथ-साथ हाइड्रेन्ट के भी परखच्चे उड़ा दिए-
परलोक नगरी के आधे रास्ते तक तो मैं हो आया हूं! और उससे आगे जाने की अभी मुझे इच्छा नहीं है!

ये तो बहुत खतरनाक है! इस पर रबर बुलेट का इस्तेमाल करना, पैसे और समय दोनों की बर्बादी है! इस पर असली गोलियों का इस्तेमाल करो!
शूट टू किल!
तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़
असली गोलियां, गजबल दौरी की ममी की तरफ लपक पड़ीं-

लेकिन-
यह कैसा हथियार है जो धमाके के साथ छोटे-छोटे कंकड़ फेंकता है! हमारे जमाने में तो पत्थर फेंके जाते थे...

...ऐसे!

इन मूर्खों ने खामख्वाह ही बीच में व्यवधान पैदा कर दिया! ... अब अपने मुख्य दुश्मन से निपटा जाए! विक्रम से!
ओऽऽऽ! अब मुझे ही अपनी जान खतरे में डालनी होगी!

सबसे पहले पट्टियां खोल दूं! ताकि इसकी शक्ल दिख सके!
पट्टियों से हाथ का स्पर्श होते ही-

केडेट 292 को एक तेज झटका लगा-
आऽऽऽह!
ओफ! अब बच्चे भी मुझ पर झपट रहे हैं! यानी किसी को राजा का खौफ ही नहीं रहा?...
...तुझको तो ऐसा दंड मिलना चाहिए, जिसे देखकर पूरी प्रजा सिहर उठे! राजा पर हमला करके राजद्रोह का अपराध किया है तूने!
केडेट 292 की सिट्टी-पिट्टी गुम थी! वह हिलने तक की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी-
अब एक ही काम बचा था! अंतिम समय में भगवान को याद कर लेने का-
भगवान जी, मेरे पापों को क्षमा कर देना! और मेरे कैप्टेन को मत बताना कि मैं फेल हो गई! बाय भगवान जी!
तुम फेल नहीं हुई केडेट 292...
...बल्कि तुमने जो हिम्मत दिखाई है, उसे देखकर तो मैं खुद अचंभित हो गया हूं! जब बाकी सब भाग रहे हैं, तो तुम इसका मुकाबला करने की सोच रही हो! वाह!
अब तू कहां से आ गया? खैर, जो भी हो, दंड-प्रक्रिया में व्यवधान डालने के लिए, दंड तो तुझे भी भुगतना होगा!
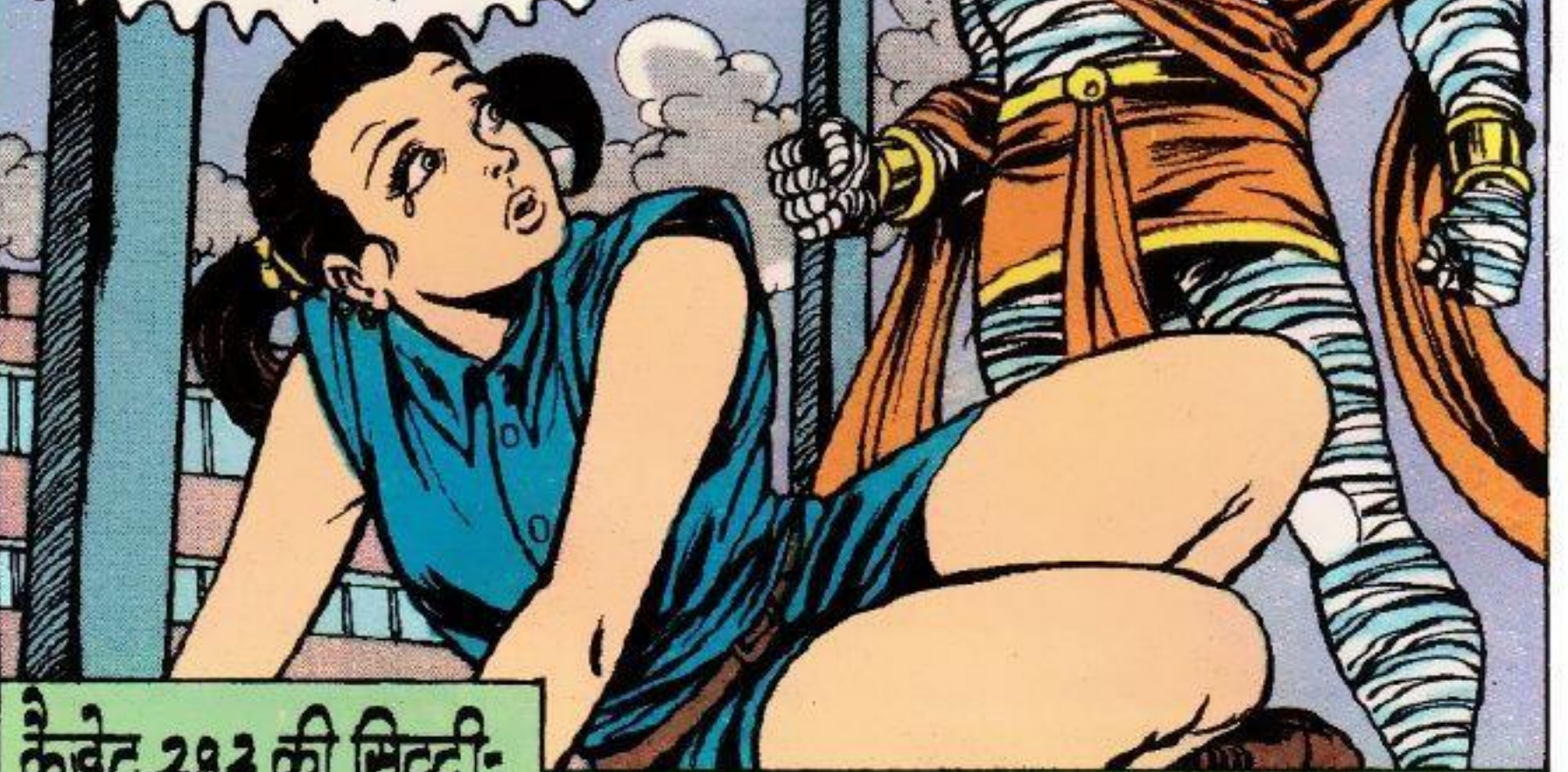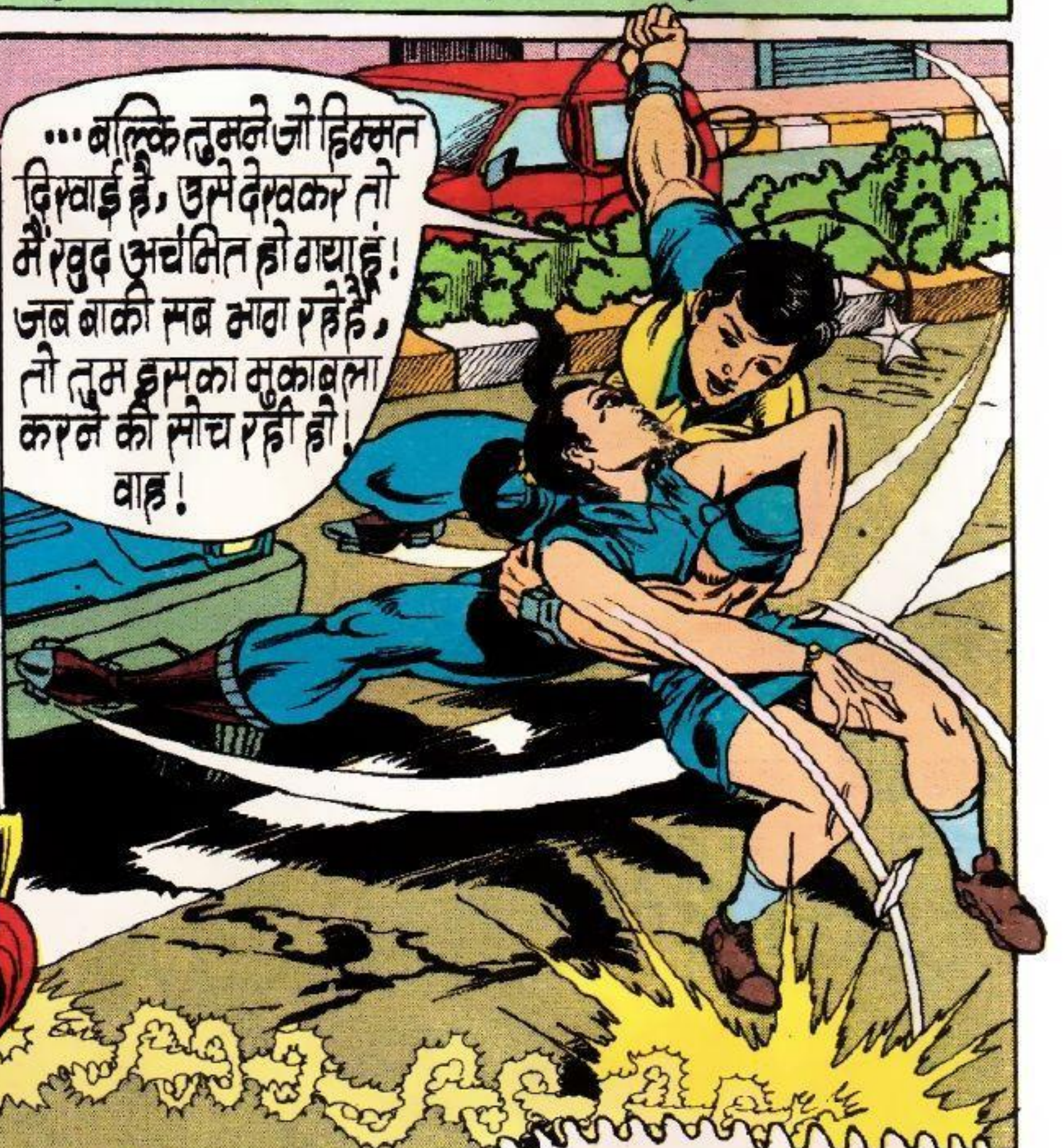
अब ये स्टाइल और डायलाग मारना छोड़ो, और ये नाटक बंद करो! यह तो मुझे पता चल गया है कि गजबल दौरी की 'ममी' लैब से गायब हो गई है।... पर उसको तुमने कहां पर छिपाया है, और 'ममी' का मेकअप करके तुम यहां तोड़-फोड़ क्यों कर रहे हो! इसका जवाब तो तुम ही दे सकते हो! चलो, फटाफट जवाब दो!
और शुरुआत अपने चेहरे की पट्टियां हटाकर करो! ताकि मैं तुम्हारा चेहरा देख सकूं!...
आऊ ऽऽऽ
तू मेरी बेइज्जती कर रहा है लड़के! माना मेरा राज्य खत्म हो गया है, दुनिया बदल गई है, पर मैं नहीं बदला हूं। मैं राजा गजबल हूं! और मेरा अपमान करने वाला जिन्दा नहीं बचता!
इसकी आंखों से तो ऊष्मा किरणें निकलती हैं! जो भारी विनाश फैला सकती हैं!...
... पर ये किरणें हैं! और हर किरण की तरह इनको भी परावर्तित किया जा सकता है! किसी भी चमकती सतह की मदद से!
हा हा हा! तू मेरी ही किरण से मुझे घायल करेगा? कर सकता है, पर तब, जब ये किरण मुझे लगे! मैं इसे अपने शरीर से ही टकराने नहीं दूंगा!
यह किरण को अपनी तरफ वापस पलटता देखकर उसके रास्ते से हटता जा रहा है! दूसरा वार करना पड़ेगा!
बड़ा खराब निशानेबाज है तू!
वैसे अगर ये नेजे मुझसे टकराते तो भी मेरा कुछ नहीं बिगड़ना था लड़के!
लेकिन जब मेरी 'ऊष्मा-किरण' तुझसे टकराएंगी, तो तेरी शारीरिक संरचना जरूर बिगड़ जाएगी!

मुझे इसके इसी वार का इंतजार था! मैं इसकी इस 'ऊष्मा किरण' की अपने 'मेटल-ब्रेसलेट' द्वारा ऐसे कोण पर परावर्तित करूंगा...
...कि यह किरण जमीन में धंसे मेरे चमकदार 'स्टार ब्लेड' से टकराए! और एक 'स्टार ब्लेड' से टकराकर दूसरे 'स्टार ब्लेड' की तरफ परावर्तित हो जाए जो इस ऊष्मा किरण को वापस...
...इसी 'ममी' की तरफ मोड़ देगा! और यह नाटकबाज इस वार से बच भी नहीं पाएगा! क्योंकि इस बार किरण इसके सामने से नहीं, पीछे से आ रही है!
यह इसे मारेगी तो नहीं, पर घायल जरूर कर देगी!
आऽऽऽह!
ध्रुव मौके का फायदा उठाकर 'ममी' को दबोचने के लिए आगे लपका! लेकिन उसे बीच हवा में ही रुक जाना पड़ा—
छन्नन
ओह! चोट लगने के बाद भी इसकी फुर्ती में कोई कमी नहीं है!
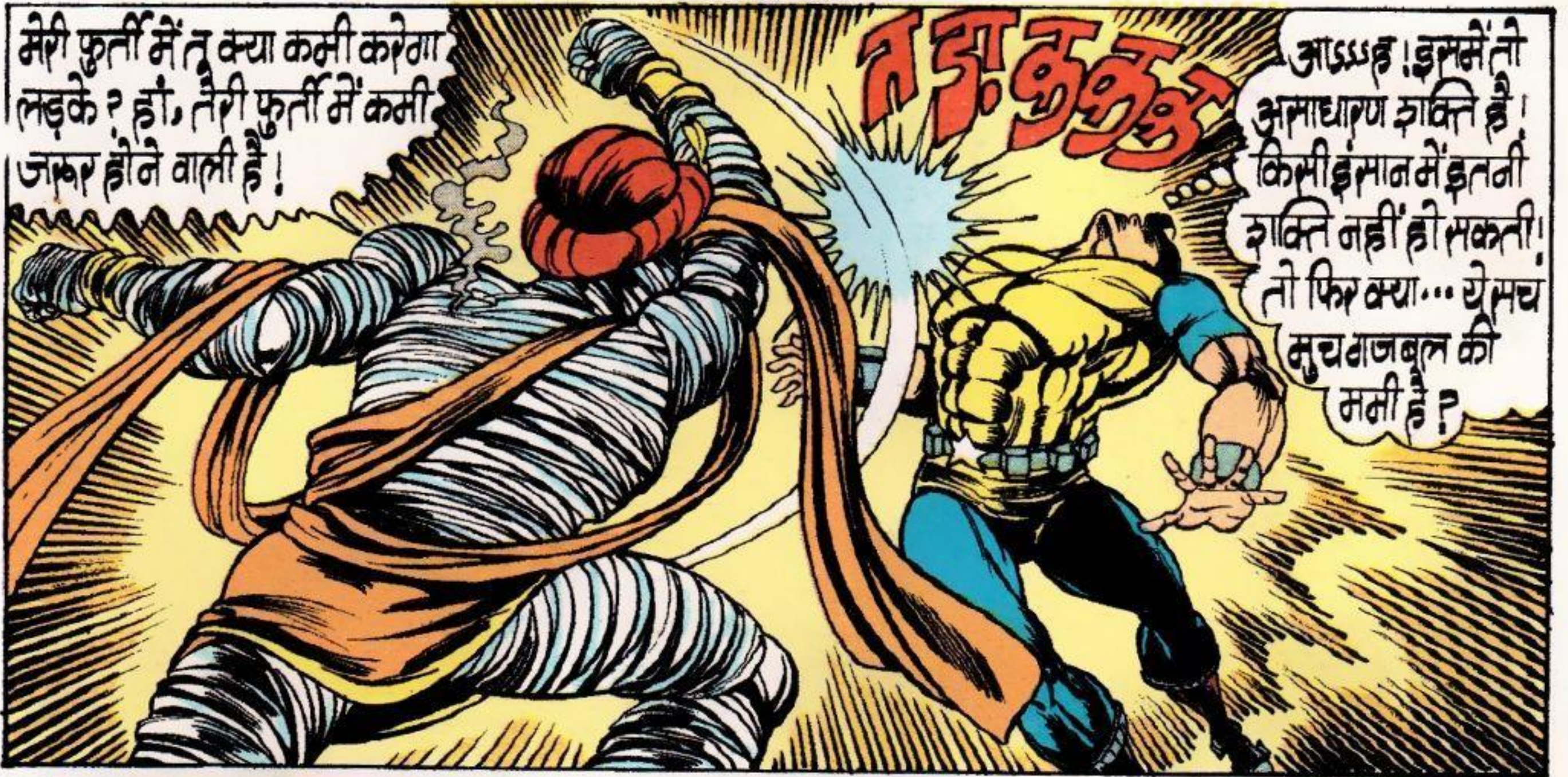
मेरी फुर्ती में तू क्या कमी करेगा लड़के ? हां, तेरी फुर्ती में कमी जरूर होने वाली है !
तड़ाक्कक्क
आऽऽह ! इसमें तो असाधारण शक्ति है ! किसी इंसान में इतनी शक्ति नहीं हो सकती ! तो फिर क्या... ये सच-मुच गजबुल की ममी है ?
खैर, यह बाद में सोचूंगा कि यह सच-मुच की 'ममी' है या 'ममी' का नाटक करने वाला इंसान ! फिलहाल तो विक्रम को होटल से निकल जाने को कहता हूं ! डॉक्टर राव के अनुसार यह वहीं पर जा रहा है ! विक्रम की जान खतरे में पड़ सकती है !
हैलो, करीम ! तुरंत विक्रम के पास फोन करो, और उसे होटल छोड़ देने के लिए कहो ! हां ! इमर्जेन्सी है ! ओवर !
अरे ! यह क्या हो रहा है ? एकदम से यह 'ममी' झटके क्यों खा रही है ? शायद अब इस पर चोट का असर हो रहा है !
वह असर जो भी था, ज्यादा देर तक नहीं रहा -
अरे ! अब इसके शरीर से क्या निकल रहा है ?

यह तो धूल है। ओफ़! खौं खौं खौं! ममी की पट्टियों पर जमी सदियों पुरानी धूल!...और इस धूल के साथ-साथ वे केमिकल भी वातावरण में उड़ रहे हैं, जो शायद 'ममी' को सुरक्षित रखने के लिए पट्टियों पर लगाए जाते हैं! इनकी वजह से... खौं खौं... मेरी आंखों में जलन हो रही है!... मैं न तो आंखें खुली रख पा रहा हूं, और न ही खौं खौं... सांस ले पा रहा हूं!... 'नोज-फिल्टर' का इस्तेमाल करना पड़ेगा!
ध्रुव ने अपनी बेल्ट के एक खाने से 'नोज फिल्टर' निकालकर...

...अपनी नाक पर लगा लिया-
आऽऽऽह! अब कुछ चैन पड़ा! लेकिन आंखों का क्या करूं? इनको तो मैं अभी भी खोल नहीं पा रहा हूं!
अब तेरी आंखें कभी नहीं खुलेंगी लड़के! क्योंकि मैं इनको हमेशा के लिए बंद करने जा रहा हूं!
ध्रुव कुछ भी देख नहीं पा रहा था! इसीलिए वह इस 'ऊष्मा वार' से बचने के लिए कुछ नहीं कर सकता था-
लेकिन इससे पहले कि वह ऊष्मा वार, उसके शरीर में खिड़की खोल पाता-
कोई अप्रत्याशित रूप से ध्रुव की मदद करने आ गया-
आऽऽऽह! तुम कौन हो?
सवाल तो पूछा जरूर गया था! पर जवाब ध्रुव को नहीं मिला-
उस रहस्यमय व्यक्ति ने ध्रुव की आंखों पर एक फूंक सी मारी, और-
फूफूऊऊ
कमाल है! मेरी आंखों की जलन खत्म हो गई! पर कैसे? क्या किया तुमने?
ध्रुव को फिर कोई जवाब नहीं मिला-

और वह आकृति, लंबे-लंबे डग भरती हुई, ध्रुव की आंखों से ओझल हो गई-
लेकिन ध्रुव को और सोचने का वक्त नहीं मिला-
तू मेरे हर वार से न जाने कैसे बचता जा रहा है! अपनी ही धूल के कारण मैं खुद नहीं देख पाया कि इस बार तू कैसे बचा? पर इस बार तू नहीं बचेगा। मेरी 'काल ध्वनि' तेरे शरीर को भी धूल चटा देगी!
आऽऽह! यह बहुत 'हाई फ्रीक्वेंसी' की ध्वनि तरंगें छोड़ रहा है! और इस वार से बचने का मेरे पास कोई उपाय नहीं है! क्योंकि इस वार से न तो उछल-कूदकर बचा जा सकता है और न ही कान, आंख या नाक बंद करके! मैं इस ध्वनि को सुन तो नहीं सकता, पर इनको हथौड़ों की तरह अपने शरीर से टकराते हुए महसूस जरूर कर सकता हूं!
ध्रुव को एक बार फिर जरा सी मदद की जरूरत थी-
और वह मदद उसे मिल गई-
यह टीन की शीट! यह ध्वनि तरंगों को सीधे मेरे पास तक आने से रोक रही है! पूरी तरह तो नहीं, पर थोड़ी सी राहत जरूर मिली है! पर इस बार मेरी मदद किसने की? क्या फिर से उसी रहस्यमय व्यक्ति ने?
टन्न न न
मैं रहस्यमय तो नहीं हूं...
चंडिका! तुम यहां कैसे... ओह नहीं पूछूंगा! पर ये टीन शीट हमको ज्यादा देर तक नहीं बचा पाएगी!
इसकी आवाज़ बंद करने का कोई उपाय ढूंढना पड़ेगा!
अब वह तुम ढूंढो! मेरे पास इतना दिमाग नहीं है!

वह पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बस। वह हमारी मदद कर सकती है। पास के पार्क से एक पाइप ढूंढो! पार्कों में पानी देने के लिए एक लंबा पाइप जरूर रहता है!
मैं समझ गई तुम्हारी योजना।
गजबल की 'ममी' चीखती जा रही थी। और ध्रुव का शरीर कांपता जा रहा था—
ओह। इसके... फेफड़ों में... कितनी सांस भरी है।... ये तो नॉन स्टॉप... चीखता जा रहा है!...
...आह!... ये... ये... पाइप... आ गया।...
दूर कहीं घरघराहट की एक आवाज हुई—
घर्र र्र र्र र्र
और पाइप से गाढ़ा धुआं निकलने लगा—
और ध्रुव ने पाइप का सही इस्तेमाल करने में एक पल भी नहीं गंवाया—
चंडिका ने बस के 'एक्जास्ट पाइप' से इस 'होजपाइप' को जोड़कर बस को स्टार्ट कर दिया है। और हर पब्लिक बस की तरह इस बस से भी तेज डीजल का धुआं निकलता है। यह इसकी आवाज जरूर बंद कर देगा!
धप
और इससे पहले कि 'ममी' संभल पाती—
उसके पैर जमीन से उखड़ गए—
धड़क
RAJNAGAR TRANSPORT AUTHOURITY
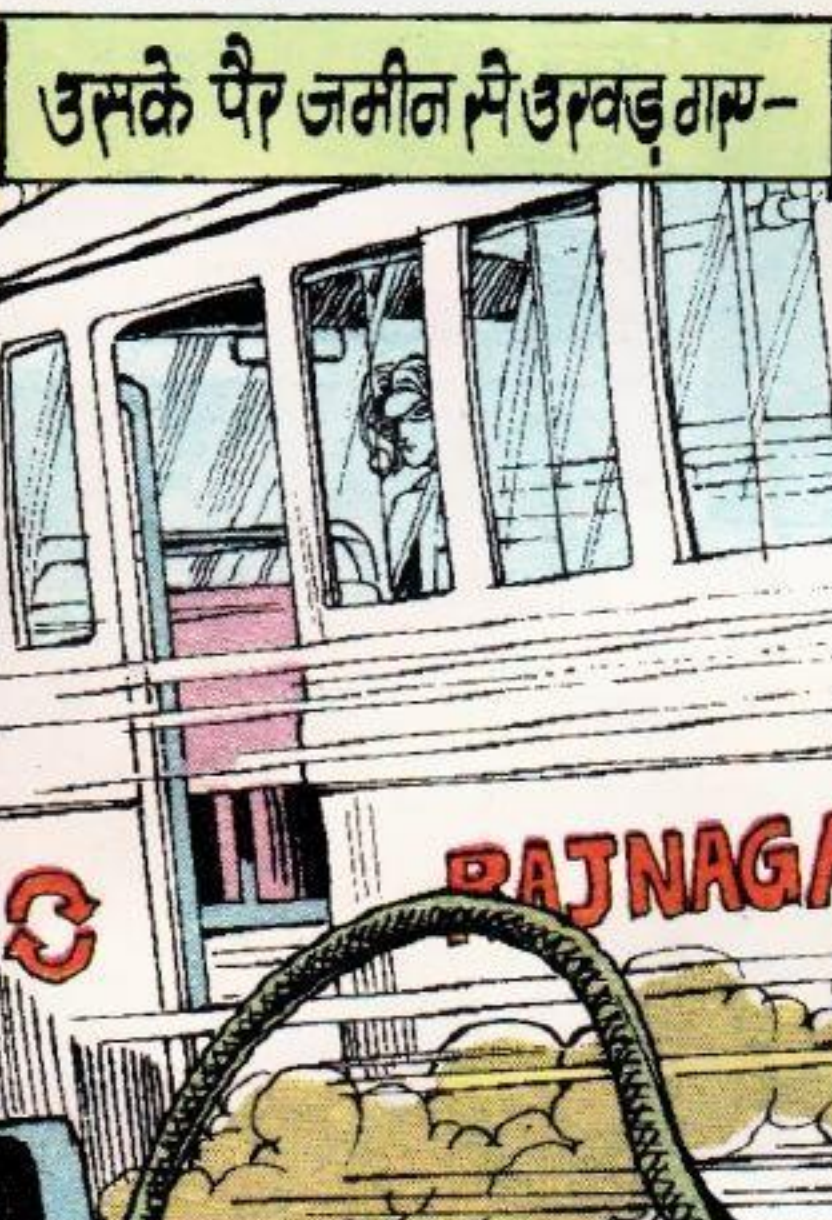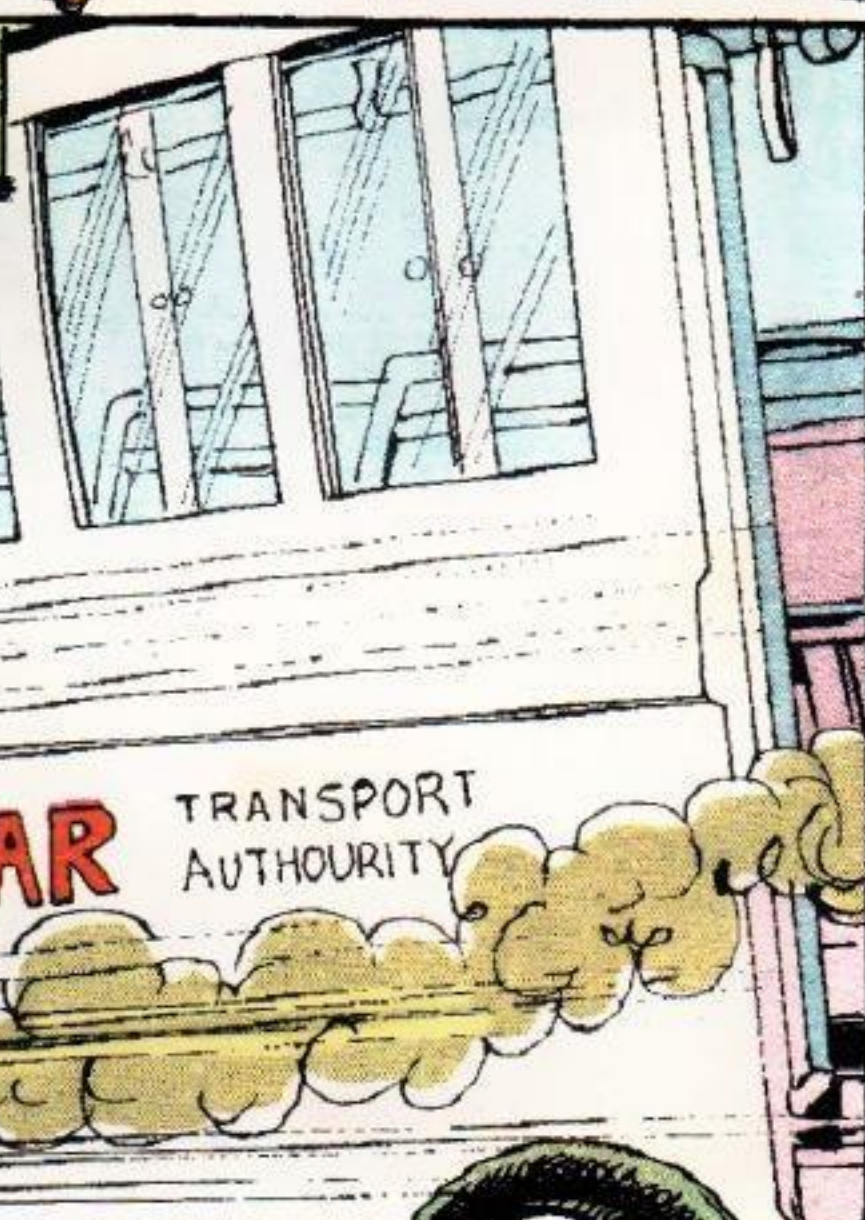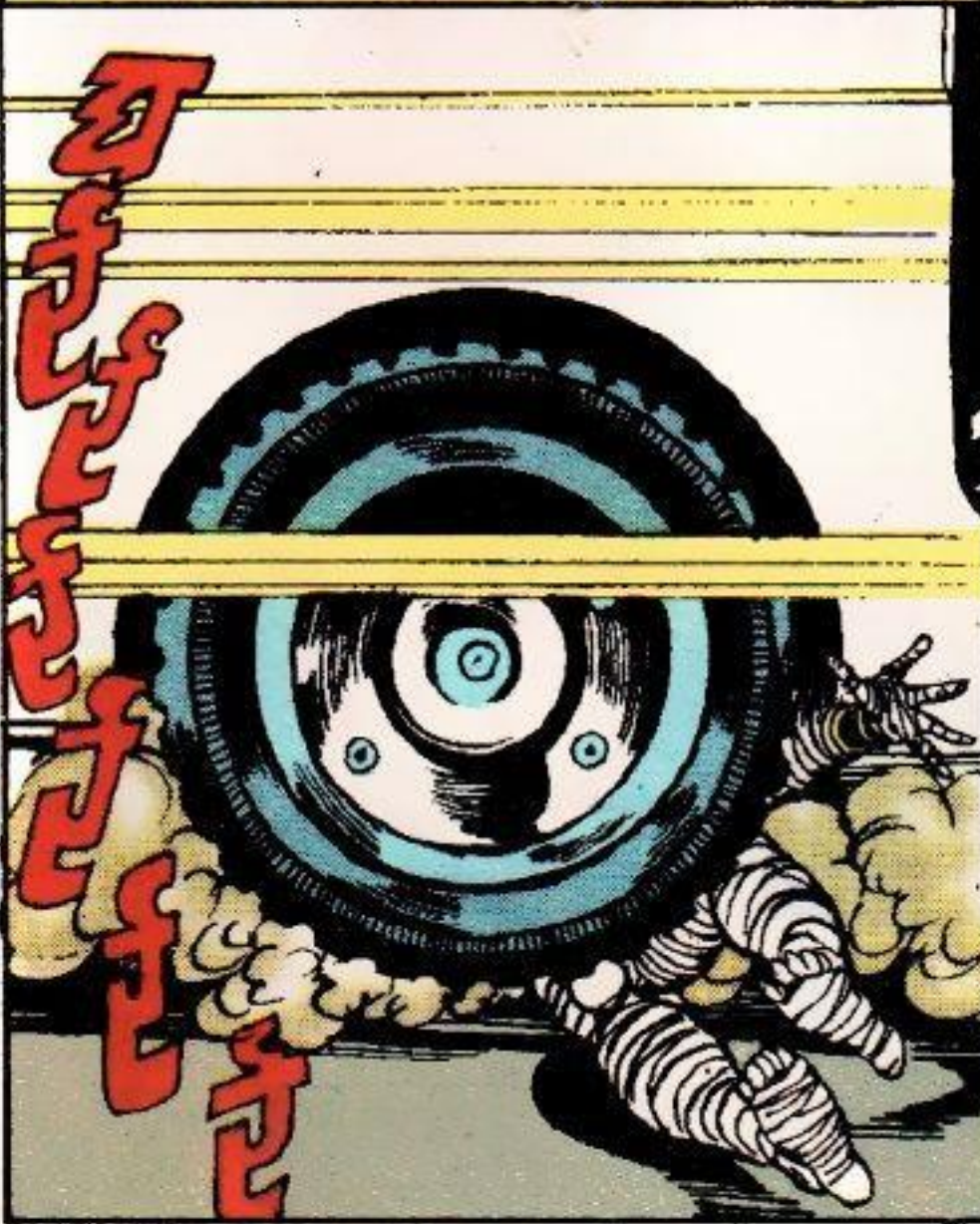
और बस उसके ऊपर से गुजरती चली गई-
घर्र्र्र्र्र्र्र्र
ओफ! तुमने यह क्या किया चंडिका? मुझे पूरा यकीन है कि यह कोई 'ममी' नहीं, जिन्दा इन्सान है! कहीं यह मर न जाए!
घबराओ मत ध्रुव! अगर यह जिन्दा इन्सान भी है, तो भी यह नहीं मरेगा! क्योंकि बस इसके पैरों के ऊपर से निकली है!
लेकिन बस भी उस रहस्यमय 'ममी' को नुकसान नहीं पहुंचा पाई थी-
अरे! य... यह क्या? यह तो खड़ा हो रहा है! यानी इसके पैरों को कुछ भी नहीं हुआ!
तुम दोनों मुझे उस मच्छर की याद दिला रहे हो, जो मर तो एक झापड़ में जाता है, पर उसे मारने में समय बहुत व्यर्थ करना पड़ता है! ... मुझे इस स्थिति को समझने में थोड़ा और समय लगेगा, और इस नई दुनिया को समझने में भी! इसलिए फिलहाल मैं जा रहा हूं। पर मैं वापस जरूर आऊंगा! और बहुत जल्दी आऊंगा!
इसके शरीर से गाढ़ा धुआं निकल रहा है ध्रुव! और यह उस धुएं की दीवार में गायब हो रहा है!
यह भी कोई ट्रिक है चंडिका! चमत्कार नहीं!
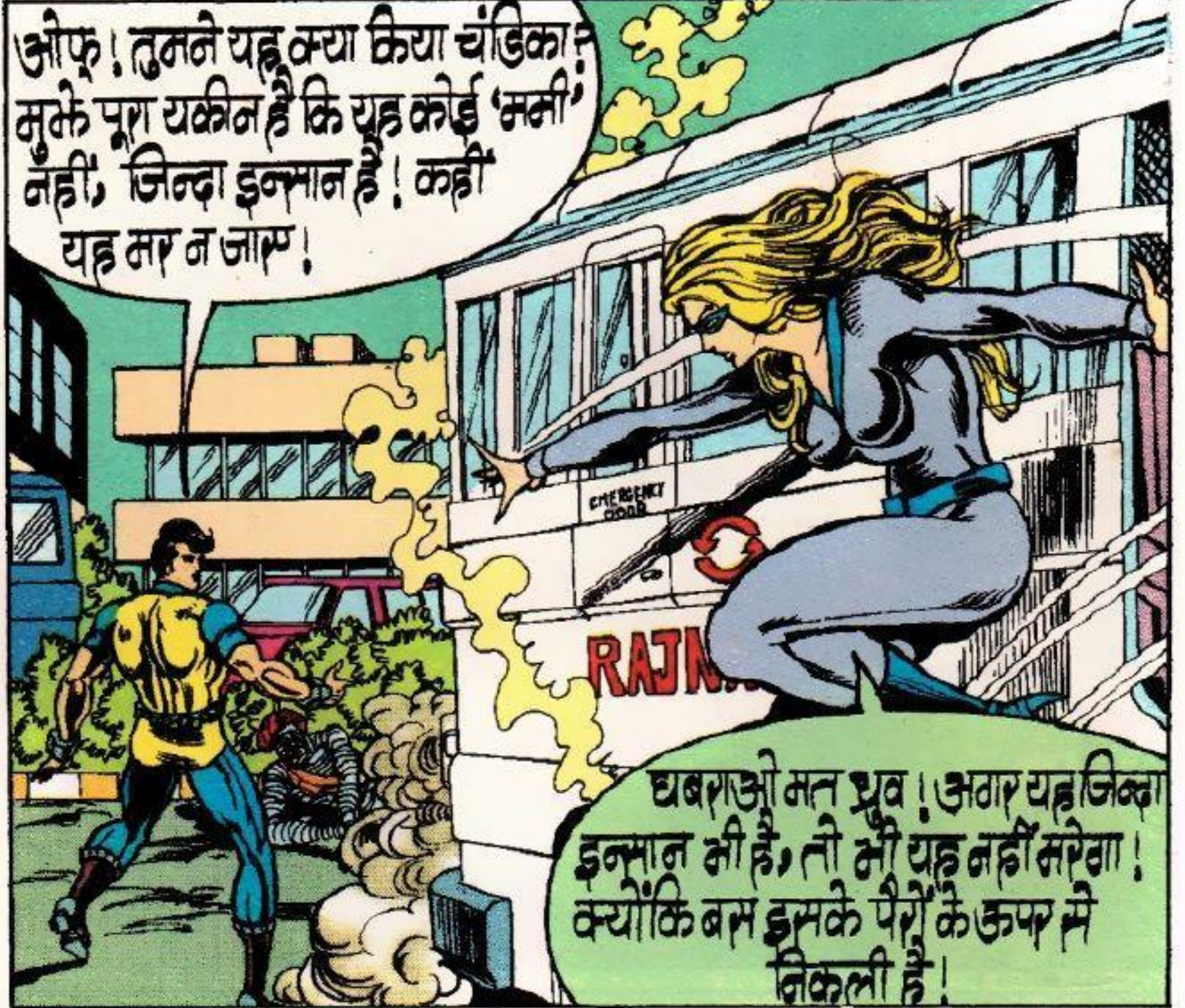
अगर यह जिन्दा इन्सान है तो यह कौन हो सकता है? किसका फायदा है 'ममी' बनकर आतंक फैलाने में?
पता नहीं, चंडिका! यही तो हमको पता करना...
ध्रुव, मैं आ गया, ध्रुव! घबराओ मत!
विक्रम! तुम यहां पर क्यों आ गए?
यह मुसीबत, मेरी लाई हुई है ध्रुव! और मैं ही इसे दूर करूंगा! मिस्टर करीम से इस झगड़े की न्यूज मिलते ही मैं अपराधी सा महसूस करने लगा था!
यह वो 'ममी' नहीं है विक्रम! 'ममी' का रूप धरे कोई जिन्दा इन्सान है!
नहीं ध्रुव! इस बार तुम्हारा शक गलत है! ये देखो! 'बायो स्केन' पर चंडिका और चिड़िया तक की छाया तो आ रही है, पर इसकी नहीं! इसके शरीर में जीवन का कोई लक्षण नहीं है! यह मृत है ध्रुव! मुर्दा! ये 'ममी' है ध्रुव!
अब घटनाक्रम एक नया मोड़ लेने वाला था-
गायब होती 'ममी' एकाएक थम गई! उसके शरीर से धुआं निकलना बन्द हो गया-
अरे! ये तो... इसका चेहरा तो...
'ममी' एक झटके से आगे बढ़ी! और विक्रम की शर्ट के चीथड़े उसके हाथ में आ गए-
विक्रम, बचो!

पर 'बचने' का सवाल ही कहां उठता था—
ये... ये अंगूठी का निशान! ये है तेरे शरीर पर! जैसा मेरे हर पुरखों के शरीर पर था! मेरे शरीर पर था, और मेरे हर वंशज की शरीर पर होना चाहिए था! कंधे के ठीक नीचे! हां, हां, तू ही मेरा वंशज है! गजबेल दौरी का वारिस!
खजाना तेरा है! खजाना जब तक तेरे हाथों में नहीं जाता, तब तक मैं मर नहीं सकूंगा!
और अगर ऐसा न हुआ तो मैं विनाश फैलाता रहूंगा! खत्म कर दूंगा इस नश्वर संसार को!
य... यह कैसे हो सकता है? म... मैं तो भारतीय तक नहीं हूं!
कुछ भी हो! निशान झूठ नहीं बोल सकता! मेरा पुत्र लापता होकर अवश्य विदेश चला गया होगा! खजाना इसे दे दो! दे दो! ... वरना इसे रोकने वाला कोई नहीं बचेगा, नहीं बचेगा!
हूम्फर्र र्रर्रर्र
आऽऽह! इतना तेज अंधड़! ओफ!
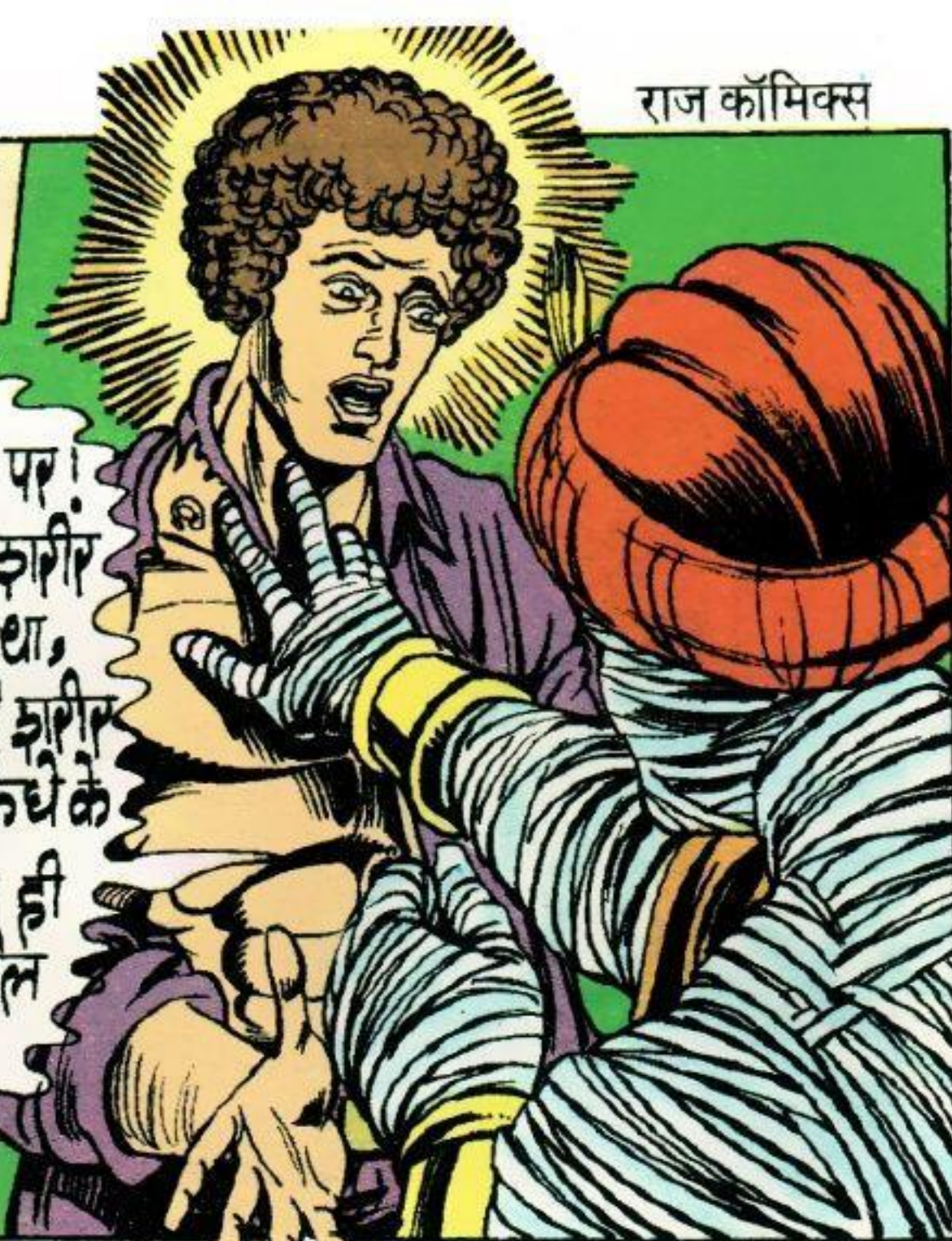
और जब अंधड़ खत्म हुआ तो -
अरे! कहां गई वह 'ममी'?
गई, गई! थैंक गॉड! मैं तो बच गया! वह तो मुझे अपना बच्चा बनाने पर ही तुल गया था!...
... म...मैं तो अगली फ्लाइट से वापस चला जाऊंगा!
नहीं, विक्रम! यह गलती मत करना!
अब इसकी शक्तियां देखकर मुझे आभास हो रहा है कि यह सचमुच राजा गजबल की ही ममी है, और वैसे भी 'बायो स्कैन' से यह साबित हो गया है कि यह मृत है! यानी यह किसी जिन्दा इंसान का नाटक नहीं हो सकता!
और अगर यह सचमुच गजबल दौरी की ममी है तो तुम्हारे जाने से ये और बिगड़ जाएगी! इसका क्रोध राजनगर पर मौत बनकर बरसेगा!
तो फिर मैं क्या करूं? किस मुसीबत में फंस गया मैं?
मैं फिलहाल तुम्हारा किसी सुरक्षित जगह पर रहने का इंतजाम कर देता हूं! जब तक यह मुसीबत टल न जाए, तब तक तुम्हारी सुरक्षा आवश्यक है!
मेरी सुरक्षा अब किसलिए ध्रुव? मुझे तो खतरा इस ममी से ही था अब तो उसने मुझे अपना वंशज मान लिया है! अब वह मुझे नुकसान भला क्यों पहुंचाएगी? मुझे कहीं नजरबंद होकर नहीं रहना ध्रुव! मैं तो फिलहाल इंपीरियल होटल में ही रहूंगा!
ठीक है! तुम्हारा सोचना भी ठीक है!

और फिर पुलिस हैडक्वार्टर में—
हमने पूरे शहर की नाकाबन्दी कर दी है ध्रुव! हर चौराहे पर पुलिस की गश्त हो रही है! और खजाने वाले तहखाने पर ब्लैक कैट कमांडो की पूरी यूनिट तैयार है। देखते हैं कि वह 'ममी' कितनी देर तक छिपी रहती है!
मुझे सिर्फ 'ममी' की फिक्र नहीं है पापा!
सर! सर! गजब हो गया!
क्या हुआ इंस्पेक्टर राणे? अब उस 'ममी' ने क्या कर दिया?
'ममी' नहीं सर! डबल मर्डर हो गया है। नंदी एन्क्लेव में! पति पत्नी का!
अरे! ऐसे मामलों से तो तुम लोग खुद भी निपट सकते हो!
मैं फिलहाल पूरे शहर की सुरक्षा के बारे में सोच रहा हूं!
सर!
सिचुएशन सीरियस हो रही है, सर!
तुम भी, ए॰सी॰पी॰ गिल? क्या सीरियस हो गया है?
'कम्यूनल टेंशन' हो गई है सर! किसी ने भूमारोली कब्रिस्तान में कब्र खोदकर लाश गायब कर दी है! दंगा होने की आशंका है! हमको एक्स्ट्रा फोर्स चाहिए!
तो ले लो! पर ऐसे रूटीन मैटर्स के लिए मुझे परेशान मत करो!
एक बात और सर! होम मिनिस्टर साहब ने अपनी चाची की सिक्योरिटी के लिए 'जेड-कैटेगरी'...
ओ शटअप! मैं यहां पर बहुत जरूरी काम कर रहा हूं! आप लोग बाहर जाइए, और ध्यान रखिए कि कोई मुझे डिस्टर्ब न करे!
हां तो, ध्रुव तुमको 'ममी' के अलावा और किसकी फिक्र है?
एक और 'रहस्यमय' आदमी की!

अगर यह 'ममी' वास्तव में साढ़े तीन हजार साल पुरानी राजा नजबलदौरी की ममी हुई, और इसने अपनी आश्चर्यजनक शक्तियों द्वारा विनाश फैलाना जारी रखा तो क्या सचमुच हमको वह खजाना विक्रम के हवाले करना पड़ेगा!

कम से कम 'ममी' के शान्त होने तक तो करना ही पड़ेगा! बाद में विक्रम से खजाना वापस लिया जा सकता है!

हां! ऐसा ही करना पड़ेगा!

ओफ! बहुत सारे सवाल उठ खड़े हो रहे हैं! और इन सबका जवाब 'ममी' के मिलने पर ही मिल सकता है! पर ममी है कहां पर?

वह 'ममी' मुझे किसी की याद दिला रही थी! उसका चलना, उसके इशारे उसके बोलने का ढंग सब कुछ जाना पहचाना लग रहा था! मैं कोई बात नजरअंदाज कर रहा हूं, पापा! अगर वह बात मुझे याद आ जाए तो... ओह! ओ माई गॉड!

क्या हुआ ध्रुव? तुमको क्या याद आ गया?

शायद मैं ममी को ढूंढ सकता हूं पापा!...

...और अगर मैं सही समझ रहा हूं!...
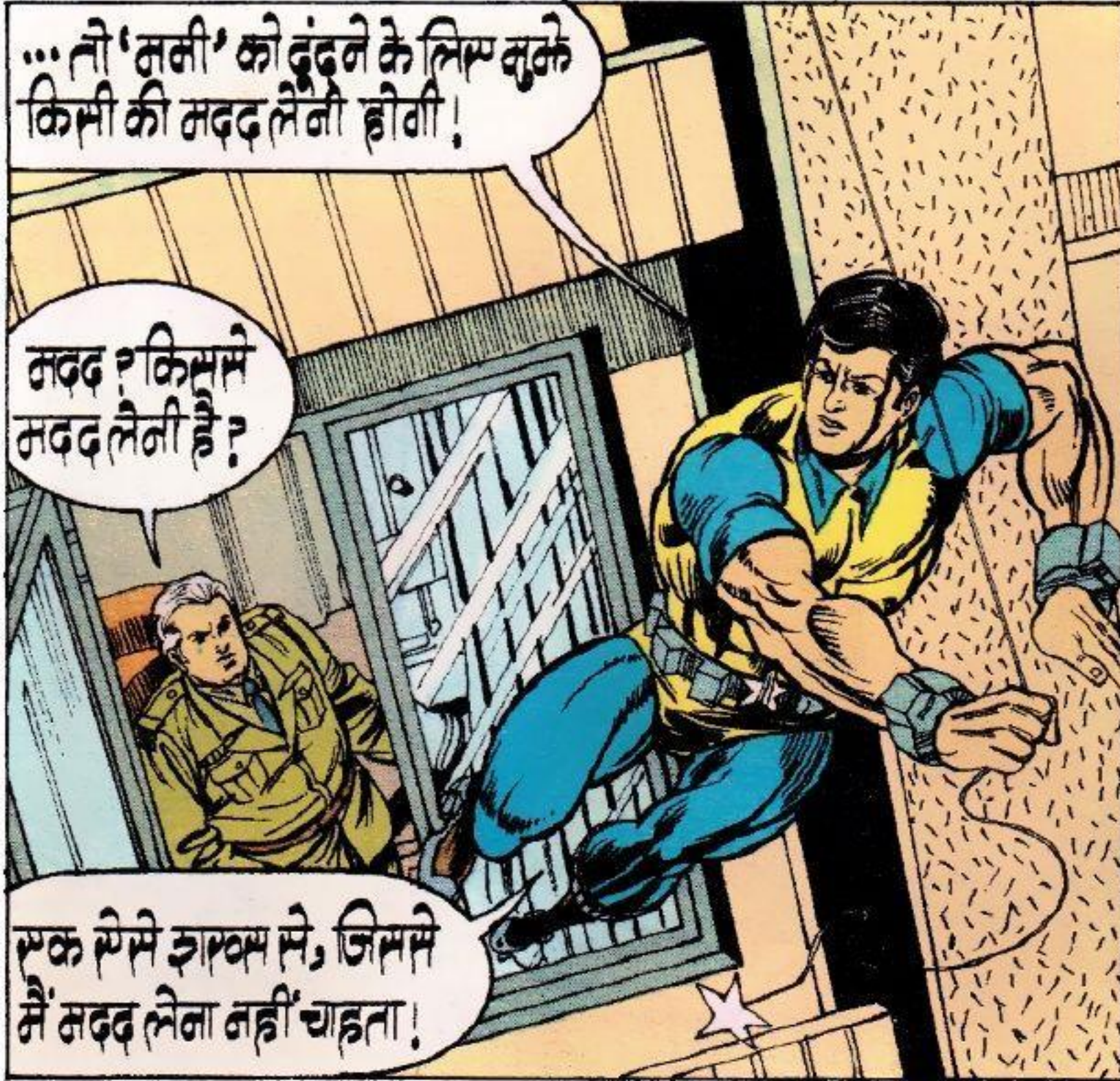
...तो 'ममी' को ढूंढने के लिए मुझे किसी की मदद लेनी होगी!

मदद? किससे मदद लेनी है?

एक ऐसे शख्स से, जिससे मैं मदद लेना नहीं चाहता!

और फिर- इंपीरियल होटल की लॉबी में-

तुमने मुझे यहां पर मिलने को क्यों बुलाया, ध्रुव? हम कमरे में भी तो बात कर सकते थे!

तुम्हारे कमरे पर शायद नजर रखी जा रही है विक्रम!

मैंने शायद तुमको बताया नहीं कि एक और शख्स इस खजाने के पीछे पड़ा हुआ है!
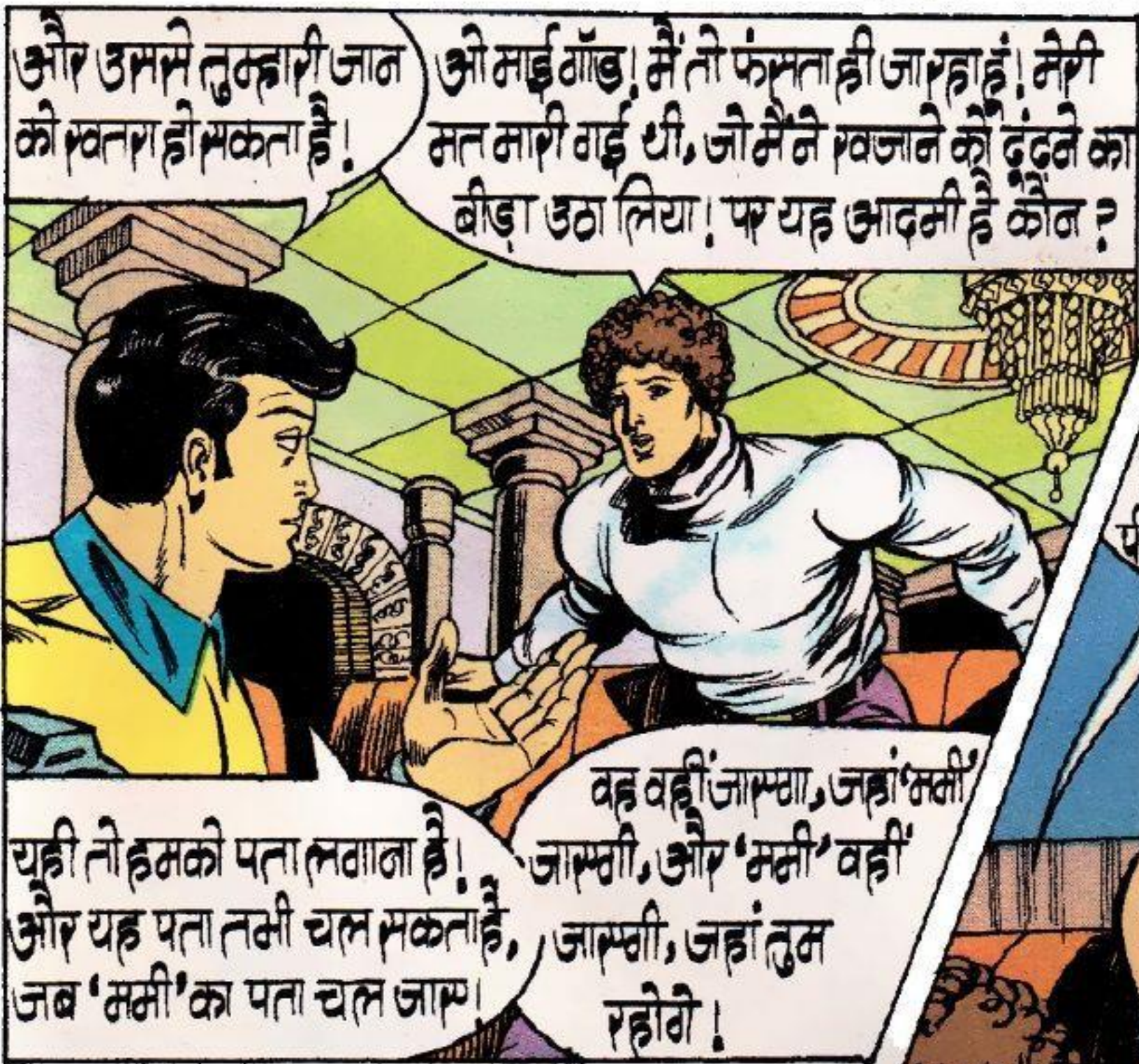
और उससे तुम्हारी जान को खतरा हो सकता है!

ओ माई गॉड! मैं तो फंसता ही जा रहा हूं! मेरी मत मारी गई थी, जो मैंने खजाने को ढूंढने का बीड़ा उठा लिया! पर यह आदमी है कौन?

यही तो हमको पता लगाना है! और यह पता तभी चल सकता है, जब 'ममी' का पता चल जाए!

वह वहीं जाएगा, जहां 'ममी' जाएगी, और 'ममी' वहीं जाएगी, जहां तुम रहोगे!

क्यों डरा रहे हो, ध्रुव? भला 'ममी' मेरे पीछे क्यों आएगी?

क्योंकि तुम उसके वंशज हो भाई! उसके खजाने के वारिस!

हा हा हा! उसने कहा, और तुमने मान लिया! अरे, 'ममी' मेरे पीछे नहीं आएगी! इस बात की तो मुझसे गारंटी ले लो!

यह बात तुम इतने विश्वास से कैसे कह सकते हो?

बस, मुझे पता है! इसे तुम आत्म विश्वास कह लो, या 'सिक्स्थ-सेंस'... पर...
विक्रम!
चेतावनी मिलने से पहले ही विक्रम, हवा में उड़ चुका था-
'ममी' सचमुच विक्रम के पीछे पड़ गई थी-
आऽऽऽह!
य... यह क्या हो रहा है? यह तो असंभव है! ऐसा हो ही नहीं सकता! 'ममी' भला मुझ पर हमला क्यों करेगी? कुछ गड़बड़ है! मु... मुझे बचाओ, ध्रुव! वर्ना यह तो मुझे पीट-पीट कर मार डालेगा!

तड़ाककक
अब भई विक्रम, यह तो तुम्हारे 'घर' की बात है! अब पूर्वज, वंशज के झगड़े के बीच में मैं क्यों पड़ूं? तुमने जरूर कुछ बदमाशी की होगी, जो तुम्हारे सुपर लकड़दादा तुमको पीट रहे हैं! तुम लोग तो लड़-भिड़कर फिर एक हो जाओगे, और मैं बुरा बन जाऊंगा...
धाड़
...यह क्या कह रहे हो ध्रुव? तुम मेरी मदद नहीं करोगे? पर क्यों? अरे, यह मेरा दादा-वादा नहीं है! यह तो... यह तो...
तुम्हारे कहने से ऐसा लग रहा है, जैसे कि तुम जानते हो कि यह कौन है? कौन है यह?
यह... यह... यह...
हां, हां, बोलो! या पिटो!

य...यह एक लाश है, ध्रुव! जिसको मैंने पास के एक कब्रिस्तान में खोदकर निकाला है! और इसमें हाथ-पैर चलाने वाले रोबोटिक इलेक्ट्रॉनिक यंत्र, कैमरे और माइक्रोफोन फिट कर दिए हैं! इसके कंट्रोल को तो मैं अपने शरीर पर फिट करके चलाता था! अब ये अपने-आप कैसे चलने लगा?
अभी पता चल जाता है! श्वेता, अब सामने आ जाओ! और विक्रम की पिटाई करना बन्द करो!
श्वेता?
यऽऽस विक्रम जीनियस! मैं भी थोड़ी बहुत इलेक्ट्रॉनिक्स जानती हूं!
अब 'थैंक्यू' बोलो भइया!
तू शुरू हो गई? इसीलिए मैं तेरी मदद नहीं लेना चाहता था! पर क्या करता? मेरी जान-पहचान में तुमसे ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक्स कोई नहीं जानता है! अब तू जिन्दगी भर इस छोटी सी मदद का एहसान जताती रहेगी!
यानी... यानी तुम लोग सब-कुछ पहले ही जान गए थे? फिर इस नाटक और मेरी पिटाई की क्या जरूरत थी?
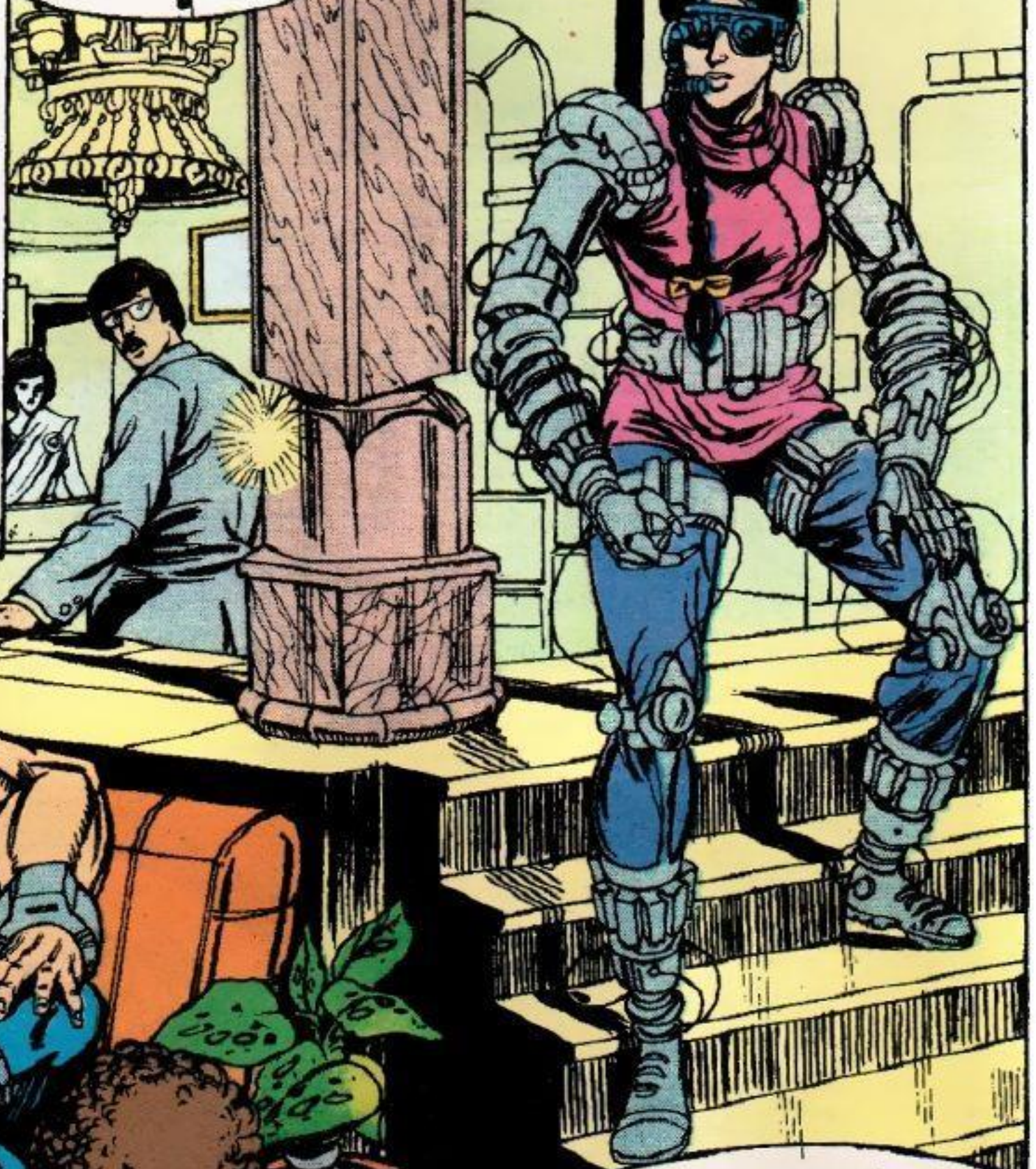
रात होते ही मैं पास के कब्रिस्तान में पहुंच गया! शायद भूमारोली कब्रिस्तान नाम था उसका! वहां पर मैंने एक ऐसी कब्र को ढूंढा जो एक सप्ताह से ज्यादा पुरानी नहीं लग रही थी! मैंने उस लाश को चुपचाप बाहर निकाल लिया! उसमें इलेक्ट्रॉनिक यंत्र फिट किए, जो सुपर पॉवर से युक्त थे!

और फिर उसको लेकर मैं पुरातत्त्व विभाग वालों की लैब के पास पहुंचकर मौके का इन्तजार करने लगा! मुझे पता था कि 'ममी' को वहीं पर ले जाया गया है! वह मौका भी मुझे जल्दी ही मिल गया!...

और ममी की मशीनी आवाज में मैं ही बोल रहा था! मेरा टेरर फैलाने वाला प्लान तो सफल रहा! पर मुझे डर था कि कहीं मुझ पर शक न किया जाए! इसीलिए मैं खुद ममी के पास पहुंच गया! और उस दौरान ममी के जो मूवमेंट थे, उसको मैंने ऑटो सिस्टम में डालकर चलाया था! क्योंकि मुझे पता था कि मैं क्या बात करूंगा, और ममी क्या जवाब देगी!

मैं होटल के कमरे में जैसा मूवमेंट करता था, मशीनी ममी भी वही हरकतें करने लगती थी!

एक मिनट विक्रम! एक बात बताओ, जब यह 'ममी' सचमुच एक लाश थी, तो उस पर बस के धुंए का असर क्यों हुआ?

दरअसल मेरे लिए 'ममी' की सच्चाई का पता लगाना बहुत जरूरी था! इसी लिए मैं ममी के पीछे लगा हुआ था! और तभी मुझे एहसास हुआ कि 'ममी' की सच्चाई सिर्फ तुम पता कर सकते हो! इसी लिए मैंने तुम्हारी जान बचाई!

वैसे भी इस दुनिया में बिना मदद लिए तो सत्य का पता लगाना असंभव था!

इस दुनिया में? समझ में नहीं आया! पर तुम्हारे लिए 'ममी' की सच्चाई पता करना जरूरी क्यों था?

तुमको कैसे पता था कि ममी की कोई 'सच्चाई' है? यह असली नहीं है!

क्योंकि असली 'ममी' मैं हूं! मैं हूं राजा राजबल दोरी! और इस नाटक को खेलने के अपराध में मैं तुमको मृत्युदंड देता हूं, लड़के!
यह क्या ध्रुव? य... यह कोई नया नाटक है क्या?
वैसे, यह है तो वही वाली ममी, जिसे मैं डिक्की में रखकर आया था!
नहीं विक्रम! मुझे नहीं लगता कि यह कोई नाटक है! असंभव है, पर सच तो यह है...

...कि यह गजबल दौरी की ही 'ममी' है! इसके शरीर से वैसी ही गंध आ रही है, जैसी उस खजाने वाले तहखाने में भरी हुई थी! महक की नकल करना असंभव नहीं तो मुश्किल अवश्य है!
इसको रोकना होगा! क्योंकि तुमने जो काम किया है, उससे यह अत्यंत क्रोधित हो गया है!
ध्रुव लपका तो था, ममी पर वार करने के लिए-
लेकिन उसके वार का ममी के शरीर से संपर्क नहीं हो पाया-
आऽऽऽह! विद्युत तरंगें! यह 'ममी' काफी शक्तिशाली लगती है!
त... तुम ठीक तो हो न ध्रुव? तुम ठीक रहे तो हम सब ठीक रहेंगे! क्योंकि इसको अगर कोई रोक सकता है तो सिर्फ तुम!
फिलहाल तो मेरी किस्मत अच्छी थी कि करेंट लगते वक्त मेरा शरीर हवा में ही था! अगर जमीन के संपर्क में रहता तो यह वार मेरे लिए घातक हो सकता था! इसको रोकने का सिर्फ एक ही तरीका समझ में आ रहा है!
इसकी अमानवीय शक्ति का मुकाबला कोई अमानवीय शक्ति ही कर सकती है!
जैसी तुम्हारी नकली 'ममी' की शक्ति!
मैं नहीं!
जिसकी जान दांव पर लगी हो उसे ज्यादा समझाना नहीं पड़ता-
मैं समझ गया ध्रुव! समझ गया!
विक्रम फुर्ती से नकली ममी को कण्ट्रोल करने वाला सिस्टम पहनने लगा-

और दो अमानवीय शक्ति वाले प्राणी या कहिए 'अप्राणी' आपस में टकरा गए–

एक असली शक्ति धारक और दूसरा यांत्रिक शक्ति धारक–

टक्कर तो प्रलयंकारी थी–

पर यह प्रलय ज्यादा देर तक नहीं चली–

ओह ! म... मैंने तो इस लाश में ट्रक तक को उठा सकने वाले हाइड्रोलिक यंत्र फिट किए थे ! पर इसने एक ही वार में इसके पुर्जे-पुर्जे कर दिए ! अ... अब क्या करें ? अरे, तू सचमुच जिन्दा कैसे हो गया गजबल दौरी ? जब मैंने उगाया था, तब तो अच्छा-खासा मरा हुआ था...

धड़ाक

मैं समझ गया ! मेरे साथ आओ विक्रम ! हम...

... विक्रम !

आऽऽह !

म... मैं चल नहीं सकता ध्रुव !

मुझे छोड़ दो ! तुम चले जाओ !

नहीं, विक्रम ! तुम्हारा चलना आवश्यक है क्योंकि ये सिर्फ तुम्हारे पीछे ही आएगा !

ध्रुव की चाल सफल होती लग रही थी-
वह 'मुमी' सचमुच हमारे पीछे आ रही है, ध्रुव! पर हम जा कहां रहे हैं?
जल्दी ही विक्रम को अपने सवाल का जवाब मिल गया-
राजनगर का 'रत्न महल'! यहां पर हम क्यों आए हैं?... तुम समझते हो कि यह अपना खजाना सुरक्षित देखकर शांत हो जाएगा?
ध्रुव के जवाब दे पाने से पहले ही-
उनका 'टाइम अप' हो गया-
आऊsss! अब हम क्या करेंगे, ध्रुव? अब कहां भागोगे?
फिलहाल तो मैं भाग रहा हूं, विक्रम!
कुछ पलों तक तुमको अपने-आप ही बचना होगा! क्योंकि अब वक्त बहुत कम है!
ध्रुव! ध्रुव! कहां जा रहे हो?

लंगड़ाता हुआ विक्रम, बचने की भरपूर कोशिश कर रहा था-

आऊऽऽऽ! अब मैं समझ गया, ध्रुव का प्लान! इसने इस शैतान की समाधि पर मेरी बलि चढ़वाने का प्रोग्राम बनाया है! ताकि यह गजबल शैतान खुश होकर शांत हो जाए!

पर यह कोशिश उसे ज्यादा देर तक नहीं करनी पड़ी-

खजाने पर तैनात ब्लैककैट कमांडो उसकी मदद के लिए आ गए थे-

ध्रुव ने हमको सही समय पर भेज दिया! वर्ना यह सचमुच इस लड़के की जान ले लेता!

लेकिन यह मदद भी विक्रम की उम्र सिर्फ कुछ पलों के लिए ही बढ़ा पाई-

ईयाऽऽऽ

आऊऽऽऽ

अब विक्रम और मौत के बीच में अगर कुछ था-

तो सिर्फ एक पल का फासला-

लेकिन एक पल में तो कई बार दुनिया बदल जाती है-

गजबल! इधर देखो!

अब कौन मरने आ गया?

मरने नहीं, मारने गजबल! देख, मेरे हाथ में तेरी नींद की दवा है! मुझे यह समझ में तो जरा देर से आया, पर आया ठीक समय पर! जब विक्रम ने कहा कि तू जिन्दा कैसे हो गया, तब से भी तुम्हारे जिन्दा हो उठने का कारण सोचने पर मजबूर हो गया। और जो कारण मुझे समझ में आया, वह यह था! इस गोले में भरा अद्भुत चमकीला पदार्थ!
तुम्हारे खजाने वाले कक्ष में सिर्फ यही एक चीज ऐसी थी, जिसका मतलब मैं समझ नहीं पाया था!
यह क्या है, यह तो मैं नहीं जानता, पर इतना जरूर समझ गया हूं कि, इन्हीं किरणों ने तुम्हारे शरीर में बहते प्राण की गति रोक रखी थी।
क्योंकि इससे दूर होते ही तुम थोड़े समय पश्चात फिर से जी उठे!
और अगर मेरा ख्याल सही है तो यह फिर से तुमको सुला देगा!
आऽऽऽह! तूने यह क्या किया लड़के? मैं एक बार अपने बंद कक्ष से बाहर निकलकर वायु के संपर्क में आ चुका हूं! अब इन किरणों का असर जीवनदायी नहीं, बल्कि घातक होगा!
मेरा शताब्दियों पुराना शरीर अब उस घातक प्रभाव को झेल नहीं पाएगा!
मेरा शरीर... धूल... धूल हो जाएगा... पर... मैं फिर... आऊंगा! और... जो... मेरे... खजाने को हाथ लगाएगा... उसे बर्बाद कर दूंगा!
'ममी' का शरीर खंड-खंड होकर धूल में बदलने लगा—
और हवा का एक तेज झोंका न जाने कहां से आकर उस धूल को उड़ा ले गया—
आश्चर्यजनक! देख रहा हूं, पर यकीन नहीं हो रहा है!
मुझे तो अपने आप पर यकीन नहीं हो रहा है। मैं इतना गलत काम न जाने कैसे कर गया? पर मुझे सबक मिल चुका है!
अब चलो, ध्रुव! मैं सम्मान के स्थान पर सजा भुगतने को तैयार हूं!
समाप्त

GREEN PAGE-102

प्रिय पाठक मित्रो, नमस्कार!

आपने **ममी का कहर** विशेषांक पढ़ा। जिसमें सुपर एक्शन के साथ-साथ सुपर सस्पेंस कूट-कूट कर भरा था। हमें आशा है आपको यह विशेषांक अवश्य पसंद आया होगा। अब ध्रुव का आगामी विशेषांक है **कमाण्डो फोर्स** जो कि मार्च 2000 में प्रकाशित होगा व उसके बाद वर्ष 2000 का सुपर धमाका **कोहराम** अप्रैल माह में प्रकाशित होगा, जिसके 128 पृष्ठों में आपको आपके सभी मुख्य सुपर हीरोज देखने व पढ़ने को मिलेंगे। हम इस विशेषांक को ज्यादा से ज्यादा खूबसूरत व मनोरंजक बनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

वर्ष 2000 में हमारे पाठकों को **नागराज** व **ध्रुव** के कॉमिकों के साथ **डोगा, परमाणु, भेड़िया** व **भोकाल** के कॉमिक भी पिछले सालों से ज्यादा पढ़ने को मिलेंगे और हमारी कोशिश यही है कि सभी किरदारों की कहानियां बढ़िया से बढ़िया हों।

इस वर्ष हमें एक और बड़ा व दुखदाई फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। नागराज के विशेषांक **राज का राज** जो कि जनवरी 2000 में प्रकाशित हो रहा है, से हम कॉमिकों का मूल्य बढ़ा रहे हैं। अब से 64 पेज के विशेषांक का मूल्य 16/- की जगह 18/- होगा व 32 पेज के कॉमिक का मूल्य 8/- की जगह 10/- होगा। पिछले कई वर्षों से कॉमिकों के मूल्य में हमने कोई बढ़ोतरी नहीं की थी, हालांकि हमारे सभी खर्चे बढ़ते रहे थे लेकिन अब पूर्व मूल्यों में कॉमिकें प्रकाशित कर पाना असंभव हो चुका है और इसीलिए यह मूल्य वृद्धि करनी पड़ी है। हमें विश्वास है हमारे समझदार पाठक हमारी मजबूरी समझते हुए हमारा सहयोग करेंगे।

हमारा पाठकों से पुनः अनुरोध है कि वे अपने पत्रों द्वारा हमें अपने बहुमूल्य सुझाव भेजते रहें। कुछ पाठक यह समझते हैं कि हम उनके पत्र नहीं पढ़ते तो यह उनका भ्रम है। हम सभी पत्रों को बहुत ध्यान से व लगन से पढ़ते हैं। क्योंकि आपके पत्र ही हमें आपके स्वाद व आपकी इच्छाओं का ज्ञान कराते हैं। सभी पत्रों को **स्टार मेल, पॉयजन पोस्ट, एक्सप्लोसिव्स** व **एटम पोस्ट** में स्थानाभाव के कारण छापना संभव नहीं हो पाता है। सभी पत्रों का व्यक्तिगत जवाब देना भी संभव नहीं है। लेकिन आप खुद सोचें क्या आप अपने सुझाव व शिकायतें किसी लालचवश भेजते हैं। नहीं ना, आपका पत्र हमारे मार्गदर्शन व दिशानिर्देशन के लिए होता है जो कि अपना काम बखूबी करता है। लैटर कॉलमों में उन्हीं पत्रों को शामिल किया जाता है जिनमें जायज शिकायतें लिखी होती हैं। लैटर कॉलम में छपा एक शिकायती पत्र उसी के जैसे कई शिकायती पत्रों का नेतृत्व करता है। अब एक ही शिकायत के लिए हम सौ, दो सौ पत्र कैसे छाप देंगे जबकि सबका जवाब एक ही हो। और कई पाठक जो शिकायतें भेजते हैं वे निरर्थक होती हैं जो कि उनके ही कॉमिक ठीक से ना समझ पाने के कारण पैदा हुई होती हैं। ऐसी शिकायतों को भी लैटर कॉलम में स्थान देना असंभव है। और व्यक्तिगत जवाब देना भी। क्योंकि ऐसे तो हजारों पत्र होते हैं। हालांकि पढ़े सभी जाते हैं लेकिन सभी के जवाब देने में तो लेखक को हफ्तों लग जाएंगे, तो वह अगली कॉमिक कब बनाएगा, लेकिन फिर भी हम किसी भी पाठक को हुई परेशानी या असुविधा के लिए क्षमा चाहते हैं और वायदा करते हैं कि हम उन तक अच्छी से अच्छी कॉमिक पहुंचाते रहेंगे।

पत्रव्यवहार इस पते पर करें: **ग्रीन पेज-102, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084.**

तेरा जिस्म फाड़कर निकल रहे हैं पेड़-पौधे, तू चलता-फिरता जंगल बनने जा रहा है...
...क्योंकि अद्भुत जड़ी-बूटियों, भस्म, तेल व चूर्ण का ज्ञाता है...
नीमहकीम
राज कॉमिक्स में परमाणु सीरीज का रोमांचक कॉमिक विशेषांक